छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg. No.-CHHHIN/2009/36148
डाक पंजीयन क्र.-45/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 16 ■ अंक - 304 ■ अम्बिकापुर, रविवार 30 नवम्बर 2025 पृष्ठ -8 ■ मूल्य - 1 रूपये

WWW.cgfrontline.com

पुलिस ठगी के जिस प्रकरण का खात्मा की, उसका आरोपी रामानुजगंज जेल में था निरुद्ध

मामला गड़ा धन निकालने के नाम पर 40 हजार रुपये नकद एवं 21 तोला सोना की ठगी का

छह वर्ष पुराने केस को पुलिस ने वरिष्ठ पुलिस कार्यालय से अनुमति लेकर पुनः खंगाला

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। कोतवाली पुलिस अंबिकापुर ने पूजा-पाठ का ढोंग करके गड़ा धन निकालने के नाम पर 40 हजार रुपये नकद एवं 21 तोला सोना की ठगी करने के जिस प्रकरण को आरोपी के नहीं मिलने पर खात्मा चाक किया था, उस प्रकरण के आरोपी को बलरामपुर-रामानुजगंज जिला के शंकरगढ़ थाना की पुलिस ने ठगी के एक अन्य मामले में गिरफ्तार करके रामानुजगंज जेल में दाखिल किया था। इसका पता चलने पर पुलिस हरकत में आई और वरिष्ठ कार्यालय से अनुमति प्राप्त करने के बाद पुनः खात्मा किए गए केस फाइल को खंगालना शुरू किया और आरोपी को न्यायालय के द्वारा जारी किए गए प्रोडक्शन वारंट पर कब्जे में लिया। गिरफ्तार आरोपी सहित अन्य ने अंबिकापुर में घटना के बाद थाना शंकरगढ़ क्षेत्र में भी इसी प्रकार की घटना को अंजाम दिया गया था, इसी मामले में पुलिस उसे गिरफ्तार करके रामानुजगंज जेल में निरुद्ध की थी।

जानकारी के मुताबिक कोतवाली थाना क्षेत्र के केदारपुर सहेली गली निवासी जगदीश विश्वकर्मा पिता स्व. छट्ठु विश्वकर्मा 52 वर्ष ने छह वर्ष पहले संजय मिश्रा एवं अन्य साथियों द्वारा पूजा-पाठ करके गड़ा धन निकालने के नाम पर 40 हजार रुपये नकद एवं 21 तोला शुद्ध सोना का बिस्किट ठगी करके फरार होने के संबंध में अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया था। मामले में पुलिस ने अपराध धारा 420, 34 भादंसं. का मामला कायम किया था। पुलिस टीम ने अग्रिम कार्रवाई करते हुए ठगी का शिकार हुए प्रार्थी व अन्य लोगों से पूछताछ करके घटनास्थल का नक्शा व अन्य दस्तावेज तैयार किया था और आरोपियों के पतासाजी का हरसंभव प्रयास कर रही थी। आरोपी का पता नहीं चलने पर पुलिस ने मामले में 10.08.2021 को थाना अंबिकापुर में खात्मा क्रमांक 159/2021 को चाक किया। हाल में 17.10.2025 को उक्त प्रकरण के आरोपी जिला बलरामपुर-रामानुजगंज के थाना शंकरगढ़ में दर्ज अपराध क्रमांक 132/2020 धारा 420, 34 भादंसं के प्रकरण में फरार चल रहे संजय मिश्रा पिता बैजनाथ मिश्रा 38 वर्ष, निवासी इटावरी, थाना जावा, जिला रीवा मध्यप्रदेश नामक बाबा को 14.10.2025 को गिरफ्तार करके रिमांड पर जिला जेल रामानुजगंज में निरूद्ध किया गया है। इसके विरूद्ध थाना अंबिकापुर में अपराध क्रमांक 399/2019 धारा 420, 34 भादंसं. में भी संलिप्तता पाए जाने से पुनः विवेचना हेतु वरिष्ठ कार्यालय से अनुमति प्राप्त करके पुनः विवेचना प्रारंभ किया गया। आरोपी संजय मिश्रा का प्रोडक्शन वारंट न्यायालय द्वारा जारी करने पर आरोपी को न्यायालय के समक्ष उपस्थित कराया गया। प्रकरण में आरोपी को गिरफ्तार करके पुलिस ने 29.11.2025 तक रिमांड पर लिया। आरोपी संजय मिश्रा ने पूछताछ में केदारपुर अंबिकापुर निवासी जगदीश विश्वकर्मा के यहां पूजा-पाठ का ढोंग करके ठगी की घटना में शामिल होना स्वीकार किया, साथ ही ठगी के घटना में 12 हजार रुपये प्राप्त करना बताया। आरोपी का पहचान परेड कराने के बाद पुलिस ने अग्रिम वैधानिक कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार करके न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है। कार्रवाई में थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक शशिकान्त सिन्हा, उप निरीक्षक सम्पत पोटाई, प्रधान आरक्षक सतीश सिंह, आरक्षक सचिन्द्र सिन्हा व देशराम सक्रिय रहे।

हज यात्रियों से पासपोर्ट बनाने के एवज में रिश्वत लेने वाले सहायक कनिष्ठ को 3 वर्ष कठोर कारावास

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। भ्रष्टाचार के मामले में न्यायालय ने आरोपी कनिष्ठ पासपोर्ट सहायक को तीन वर्ष की कठोर कारावास की सजा सुनाई है। पासपोर्ट के लिए प्राप्त दस्तावेजों का सत्यापन करने के लिए आरोपी ने चार हज यात्रियों से रिश्वत की मांग की थी। शिकायत पर एंटीक्रप्शन ब्यूरो ने 8 हजार रुपये रिश्वत लेते आरोपी को गिरफ्तार किया था। एंटीक्रप्शन ब्यूरो ने आरोपी के खिलाफ धारा-7 भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 के तहत कार्रवाई करके जेल दाखिल किया था, और मामला अंबिकापुर न्यायालय में चल रहा था। जानकारी के अनुसार आरोपी संकट मोचन पिता प्रभंजन प्रसाद राय 32 वर्ष, कनिष्ठ पासपोर्ट सहायक के रूप में पासपोर्ट सेवा केन्द्र अंबिकापुर में पदस्थ था। इसरार हुसैन एवं उसके गांव दोलंगी थाना रामचंद्रपुर जिला बलरामपुर के चार व्यक्ति शमीम अंसारी, तुफैल अहमद, असलम अंसारी एवं नूरानी हज यात्रा के लिए जाना चाहते थे। इन सभी का पासपोर्ट बनवाने के लिए इसरार हुसैन ने ऑनलाइन फार्म भरा था। 21 मई 2024 को पांचों व्यक्ति दस्तावेज सत्यापन के लिए पासपोर्ट सहायक के पास अंबिकापुर कार्यालय में पहुंचे। यहां कनिष्ठ पासपोर्ट सहायक संकट मोचन ने दस्तावेज में त्रुटि बताकर सत्यापन रोक दिया। आरोपी ने इसरार से कहा कि अगर पासपोर्ट बनवाना है तो पांचों को मिलकर 10 हजार रुपये देना पड़ेगा, नहीं तो त्रुटि बताकर रिजेक्ट कर देंगे। सभी मामले की शिकायत एंटीक्रप्शन ब्यूरो अंबिकापुर से किए थे। एसीबी की टीम ने 30 मई 2024 को आठ हजार रुपये रिश्वत लेते कनिष्ठ पासपोर्ट सहायक संकट मोचन को गिरफ्तार किया था। टीम ने आरोपी के खिलाफ धारा 7 भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 के तहत कार्रवाई की थी और उसे जेल दाखिल कर दिया था। मामला न्यायालय भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम में चल रहा था। आरोपी के खिलाफ दोष सिद्ध होने पर विशेष न्यायाधीश ममता पटेल ने 29 नवंबर को आरोपी के खिलाफ 3 वर्ष की कठोर कारावास की सजा सुनाई है। अभियोजन की ओर से विवेक सिंह अतिरिक्त लोक अभियोजक व आरोपी की ओर से अधिवक्ता संजय अंबष्ट थे।

ठण्ड से राहत दिलाने शहर के प्रमुख स्थानों पर अलाव की व्यवस्था

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। जिले में शीतलहर और कड़ाके की ठण्ड से आमजन को राहत प्रदान करने के उद्देश्य से कलेक्टर विलास भोसकर के निर्देशानुसार नगर प्रशासन द्वारा शहर के प्रमुख भीड़-भाड़ वाले स्थलों पर अलाव की व्यवस्था की गई है। गांधी चौक, बस स्टैंड, जिला अस्पताल परिसर एवं लरंग साय चौक पर अलाव जलाकर लोगों को ठण्ड से बचाने के लिए आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित किए गए हैं। नगर निगम कमिश्नर डीएन कश्यप ने बताया कि निरंतर गिरते तापमान को देखते हुए जनसुविधा के लिए यह व्यवस्था तत्काल प्रभाव से शुरू की गई है। सुबह और देर शाम इन स्थानों पर बड़ी संख्या में लोग अलाव का लाभ उठा रहे हैं। अलाव की नियमित निगरानी और आवश्यकता अनुसार लकड़ी की आपूर्ति के निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिए गए हैं। प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे सुरक्षित दूरी बनाए रखते हुए अलाव का उपयोग करें। आवश्यकता पड़ने पर अन्य भीड़भाड़ वाले स्थानों पर भी जरूरत अनुसार अलाव की व्यवस्था की जाएगी।

सिरप पीने के बाद बालिका की बिगड़ी तबियत, किशोरी की मौत

गांव में क्लीनिक चलाने वाले नीमहकीम ने लगाया था इंजेक्शन, दी थी दवा

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। पेट दर्द की शिकायत पर स्वजन किशोरी का ईलाज गांव में ही एक क्लीनिक में करा रहे थे। तबियत ज्यादा बिगड़ने पर 28 नवंबर की रात को उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर लेकर पहुंचे, यहां जांच के बाद डॉक्टर ने बालिका को मृत घोषित कर दिया।

जानकारी के अनुसार लक्ष्मी वैष्णव पिता राजेश्वर प्रसाद वैष्णव 14 वर्ष, दरिमा थाना क्षेत्र के ग्राम नवापारा खुर्द की रहने वाली थी। इसकी बड़ी बहन मकेश्वर वैष्णव ने पुलिस के समक्ष बयान दर्ज कराया है कि 26 नवम्बर को लक्ष्मी के पेट में दर्द होने पर उसे ईलाज के लिए दरिमा के करजी चैक में स्थित वीरेन्द्र वैष्णव के क्लीनिक में ले गए। यहां तथाकथित चिकित्सक ने बालिका को इंजेक्शन लगाया और दवाई दी। स्वजन बालिका को घर ले गए और घर में उसे दिए गए परामर्श के अनुसार दवा खिला रहे थे। 28 नवम्बर को देर रात जब वह सिरप पी तो, उसकी तबियत और ज्यादा बिगड़ गई। स्वजन उसे निजी वाहन से मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर लेकर पहुंचे, यहां जांच के दौरान डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। झोलाछाप चिकित्सक के द्वारा दिए गए सिरप पीने के बाद तबियत बिगड़ने के कारण बनी संदेह की स्थिति को देखते हुए अस्पताल प्रबंधन ने इसकी सूचना पुलिस सहायता केन्द्र में दी थी, जिस पर पुलिस ने मृत बालिका का पोस्टमार्टम कराया है। मामले में पुलिस ने फिलहाल मर्ग कायम कर लिया है।

संभागीय संयुक्त संचालक ने लापरवाह बीएमओ को हटाया, गायब कर्मचारियों को नोटिस जारी

लगातार लापरवाही की मिल रही शिकायतों पर औचक पहुंचे अधिकारी ने की कार्रवाई

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। संभागीय संयुक्त संचालक, स्वास्थ्य सेवाएं, सरगुजा संभाग ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र उदयपुर के अव्यवस्थित संचालन व बीएमओ सहित कर्मचारियों की अनुपस्थिति का मामला संज्ञान में आने पर इसे गंभीरता से लिया और औचक निरीक्षण करते हुए बीएमओ को तत्काल प्रभाव से हटा दिया है। वहीं निरीक्षण दौरान अस्पताल से नदारद कर्मचारियों को नोटिस जारी किया गया है। बता दें कि सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र उदयपुर से बीएमओ सहित अन्य जिम्मेदार कर्मचारियों के गायब रहने से चरमराती स्वास्थ्य सेवाओं की निरंतर शिकायत प्राप्त हो रही थी, जिसे संभागीय संयुक्त संचालक, स्वास्थ्य सेवाएं डॉ. अनिल कुमार शुक्ला ने गंभीरता से लिया और 28 नवम्बर को शाम करीब 4.50 औचक वे सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र उदयपुर का आकस्मिक निरीक्षण करने पहुंचे। निरीक्षण के दौरान उक्त स्वास्थ्य केन्द्र के संबंध में प्राप्त शिकायतें सही पाई गई। निरीक्षण में ओपीडी सेवाओं का संचालन समय अनुसार नहीं किया जाना पाया गया। लैब एवं दवा वितरण सेवाएं बंद मिली। अस्पताल की सुरक्षा व्यवस्था को दृष्टिगत रखते हुए सुरक्षा गार्ड की व्यवस्था सुनिश्चित नहीं करना पाया गया। स्वास्थ्य केन्द्र के कर्मचारी निर्धारित गणवेश मे सेवाएं देते हुए नहीं मिले। संयुक्त संचालक स्वास्थ्य सेवाएं ने निरीक्षण के दौरान पाया कि ओ.पी.डी. रजिस्टर तक को व्यवस्थित रूप से संधारित नहीं किया गया है। उपस्थिति पंजी का अवलोकन करने पर 10 से 11 अधिकारी व कर्मचारी बिना सूचना के अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित पाए गए। बड़ी बात यह है कि खण्ड चिकित्सा अधिकारी द्वारा स्वयं भी अनुपस्थित थे, जिन पर स्वास्थ्य केन्द्र के सुव्यस्थित संचालन का पूरा दारोमदार था। संयुक्त संचालक स्वास्थ्य सेवाएं डॉ. अनिल कुमार शुक्ला ने पूर्व में भी प्राप्त शिकायत के पश्चात खण्ड चिकित्सा अधिकारी उदयपुर को स्वास्थ्य केन्द्र का सुव्यवस्थित संचालन शासन के दिए गए दिशा-निर्देश के तहत नहीं किए जाने पर नोटिस जारी किया गया था और अपने कार्य व्यवहार में सुधार लाने के निर्देश दिए थे, लेकिन इनकी मनमाने क्रियाकलापों पर विराम नहीं लगा, जिस कारण स्वास्थ्य केन्द्र के अन्य कर्मचारी भी मन-मुताबिक सेवाएं देने में लगे थे। ऐसे में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र उदयपुर में आने वाले मरीजों को चिकित्सा सुविधा का समुचित लाभ नहीं मिल पा रहा था। आपातकालीन स्थिति में मरीजों को लेकर लखनपुर या अंबिकापुर दौड़ लगाने की नौबत बन रही थी।

डॉ. संजीव कुमार तिग्गा को बीएमओ का प्रभार

संयुक्त संचालक, स्वास्थ्य सेवाएं डॉ. अनिल कुमार शुक्ला ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र उदयपुर के प्रभारी खण्ड चिकित्सा अधिकारी डॉ. योगेन्द्र पैकरा के कार्य व्यवहार में बदलाव नहीं आने और प्रभावित होती चिकित्सा सेवा व्यवस्था को देखते हुए उन्हें तत्काल प्रभाव से प्रभारी खण्ड चिकित्सा अधिकारी के पद से पृथक कर दिया है, और डॉ. संजीव कुमार तिग्गा, चिकित्सा अधिकारी को प्रभारी खण्ड चिकित्सा अधिकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र उदयपुर का प्रभार देने के संबंध में आदेश जारी किया था, जिसके पालन में आदेश जारी कर दिया गया है।

बालकृष्ण दूसरी बार बने कांग्रेस जिला अध्यक्ष... शशि-हरिहर को संगठन ने दी जिम्मेदारी

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने छत्तीसगढ़ के सरगुजा में बालकृष्ण पाठक को दूसरी बार जिला अध्यक्ष की कमान सौंपी है, वे 6 महीने पहले हुए बदलाव में जिलाध्यक्ष बनाए गए थे। उन्हें कंटीन्यू किया गया है। वहीं सरगुजा व बलरामपुर सहित प्रदेश के 11 जिला अध्यक्षों को बदल दिया है। राष्ट्रीय अध्यक्ष कांग्रेस मल्लिकार्जुन खड़गे से मिली अनुमति के बाद एआईसीसी के संगठन महामंत्री केसी वेणुगोपाल ने यह आदेश जारी किया है।

सूरजपुर में संगठन सृजन अभियान के बाद पिछले 7 सालों से कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष रहीं भगवती राजवाड़े को हटा दिया गया है। सूरजपुर में कांग्रेस जिलाध्यक्ष के लिए 11 दावेदारों में शशि सिंह सबसे मजबूत दावेदार बनकर उभरीं, उन्हें दृष्टष्ट ने जिलाध्यक्ष की जवाबदेही सौंपी है। सूरजपुर जिले में पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव की पहली पसंद भगवती राजवाड़े एवं दूसरी पसंद में नरेश राजवाड़े थे। भगवती राजवाड़े की कार्यप्रणाली को लेकर पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं ने नाराजगी जताई थी। इसका सीधा असर संगठन सृजन में देखने को मिला है। शशि सिंह कोर्राम टीम राहुल की सदस्य हैं एवं वे राहुल गांधी की पदयात्राओं में शामिल रही हैं। वे जोगी सरकार में राज्यमंत्री रहे तुलेश्वर सिंह की बेटी हैं। शशि सिंह को लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने प्रत्याशी बनाया था, शशि सिंह का नाम कांग्रेस पदाधिकारी-कार्यकर्ताओं ने प्रथम क्रम में रखा था।

बालकृष्ण पाठक फिर बने अध्यक्ष

सरगुजा जिले में बालकृष्ण पाठक को फिर से जिलाध्यक्ष की जवाबदेही मिली है। टीएस सिंहदेव के करीबी बालकृष्ण पाठक को छह माह पूर्व दूसरी बार जिलाध्यक्ष बनाए गए थे। वे इसके पूर्व वर्ष 2016 से वर्ष 2019 तक सरगुजा कांग्रेस जिलाध्यक्ष की जवाबदेही संभाल चुके हैं। सरगुजा में कांग्रेस के दावेदारों में बालकृष्ण पाठक के अलावे 13 नाम सामने आए थे, हालांकि यहां संगठन बालकृष्ण पाठक के पक्ष में एकतरफा रहा, जिसके कारण बालकृष्ण पाठक को फिर से जिलाध्यक्ष का मौका मिला है।

बलरामपुर में हरिहर यादव को मौका

कांग्रेस के संगठन सृजन में बलरामपुर जिले में भी बड़ा फेरबदल हुआ है। यहां टीएस सिंहदेव की पसंद से छह माह पूर्व जिलाध्यक्ष बनाए गए केपी सिंहदेव को हटा दिया गया है। बलरामपुर में हरिहर यादव को जिलाध्यक्ष बनाया गया है। वे पेशे से वकील हैं। बलरामपुर से भी जिलाध्यक्ष के लिए 11 दावेदारों का नाम सामने आया था। पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव की पसंद केपी सिंहदेव थे, हरिहर यादव ने केपी सिंहदेव के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए स्वयं अध्यक्ष पद के लिए दावेदारी की थी। कांग्रेस जिलाध्यक्ष बनाए गए हरिहर यादव 40 सालों से कांग्रेस से जुड़े हैं। वे ब्लॉक कांग्रेस कमेटी वाड्रफनगर के अध्यक्ष एवं दो बाहर जिला उपाध्यक्ष रहे हैं। हरिहर यादव की पकड़ सभी खेमों में है। इसका लाभ उन्हें मिला।

कोरिया-एमसीबी में महंत की पसंद के जिलाध्यक्ष

कांग्रेस ने कोरिया में प्रदीप गुप्ता और एमसीबी में अशोक श्रीवास्तव को फिर से जिलाध्यक्ष की जवाबदेही सौंपी है। प्रदीप गुप्ता लगातार तीसरी बार कांग्रेस जिलाध्यक्ष बनें हैं। वहीं अशोक श्रीवास्तव लगातार दूसरी बार जिलाध्यक्ष बनाए गए हैं। प्रदीप गुप्ता एवं अशोक श्रीवास्तव दोनों छत्तीसगढ़ के नेता प्रतिपक्ष चरण दास महंत के करीबी हैं। हालांकि दोनों जिलाध्यक्षों का सीधा विरोध नहीं दिखा, इस कारण चरण दास महंत ने दोनों को रिपीट करने की मंशा जताई। पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता इसके लिए सहज ही तैयार हो गए।

गिनती नहीं सुनाने पर शिक्षक का अत्याचार, मासूम की आंख में उतरा खून

स्वजन की शिकायत पर प्रशासन हुआ सख्त

छ.ग.फ्रंटलाइन बलरामपुर। जिले के रामचंद्रपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत पलगी में स्थित प्राथमिक शाला जावाखाड़ी से शिक्षक की अमानवीय हरकत का मामला सामने आया है। कक्षा दूसरी में अध्ययनरत 7 वर्षीय छात्र भागीरथी यादव को मामूली गलती पर शिक्षक द्वारा बेरहमी से पीटने का आरोप है। पिटाई इतनी गंभीर थी कि मासूम की आंख में खून उतर आया और चेहरा बुरी तरह सूज गया। घटना शुक्रवार की है। भोजन अवकाश के बाद कक्षा में पहुंचे शिक्षक उदय यादव ने छात्र से गिनती सुनाने के लिए कहा। गलती होते ही शिक्षक आपा खो बैठे और बच्चे के दोनों गालों पर लगातार थप्पड़ मारते रहे। डर के कारण बच्चा सिर झुकाने लगा तो शिक्षक और अधिक आक्रामक होकर पिटाई जारी रखा।

पीड़ित बच्चे के पिता धनंजय यादव ने बताया कि घटना के समय शिक्षक हमेशा की तरह नशे की हालत में था। घायल अवस्था में घर पहुंचे भागीरथी ने रोते हुए पूरा वाक्या स्वजन बताया, इसके बाद वे तत्काल त्रिकुंडा थाना पहुंचे और शिक्षक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई। मामले की जानकारी मिलते ही शिक्षा विभाग भी सक्रिय हो गया है। विकासखंड शिक्षा अधिकारी विजय कुशवाहा ने बताया कि उन्हें घटना की जानकारी मीडिया के माध्यम से मिली है और पूरे प्रकरण की जांच के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने दोषी पाए जाने पर शिक्षक के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई करने की बात कही है। गांव में इस घटना को लेकर आक्रोश है और अभिभावक विद्यालय में बच्चों की सुरक्षा को लेकर सवाल उठा रहे हैं।

हाल में सूरजपुर जिले में मासूम हुआ था प्रताड़ित

हाल में सूरजपुर जिले में भी एक बच्चे को शर्ट के सहारे लटकाकर शिक्षिकाओं के द्वारा प्रताड़ित करने का मामला प्रकाश में आया था। मामला सुर्खियों में आने और वीडियो वायरल होने के बाद शिक्षा विभाग हरकत में आया। विद्या के मंदिर से बच्चों को इस तरह से प्रताड़ित करने की आ रही तस्वीर के बाद स्कूली बच्चों के अभिभावक चिंतित हैं। मामले को उच्च न्यायालय ने स्वतः संज्ञान में लिया था और स्कूल की मान्यता रद्द करने के साथ ही संचालक पर प्राथमिकी दर्ज कर लिया है। इसके बाद स्कूल की मान्यता भी रद्द कर दी है।

सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे का मामला पकड़ा तूल, तहसीलदार ने दिया स्थगन आदेश

छ.ग.फ्रंटलाइन बिश्रामपुर। ग्राम पंचायत रविंद्रनगर की शासकीय भूमि पर चल रहे अवैध कब्जे के मामले में आखिरकार प्रशासन हरकत में आ गया है। आवेदक तारक सरदार द्वारा तहसील कार्यालय लटोरी में प्रस्तुत आवेदन के बाद मामले में तहसीलदार ने महत्वपूर्ण आदेश जारी किया है। ज्ञात हो कि प्रार्थी तारक सरदार ने अपने आवेदन में बताया था कि उनकी पट्टे की भूमि खसरा नंबर 138/2, 141/1, 141/2 ग्राम रविंद्रनगर,तहसील लटोरी में स्थित है। उनके खाते की भूमि के ठीक सामने शासकीय भूमि खसरा नंबर 129, 130, 139/2

व 141 पर अनावेदक अमियो मंडल व अन्य लोगों द्वारा मकान निर्माण एवं कृषि कार्य कर अवैध कब्जा किया जा रहा है। मामले में माननीय न्यायालय ने आवेदक तारक सरदार बनाम अमियो मंडल के मामले में 26 मई 2025 को रास्ता चिन्हांकित कर उसे आरक्षित करने का आदेश दिया था। बावजूद इसके कथित रूप से शासकीय भूमि पर कब्जा जारी रहा, जिसके बाद आवेदक ने पुन: प्रशासन को हस्तक्षेप करने हेतु आवेदन लगाया था। आवेदक की शिकायत पर हल्का पटवारी द्वारा की गई जांच में स्पष्ट रूप से पाया गया कि अनावेदकों द्वारा शासकीय भूमि पर अवैध रूप से निर्माण और कृषि कार्य किया जा रहा है। रिपोर्ट में इस कब्जे को गैरकानूनी बताते हुए तुरंत रोक लगाने की अनुशंसा भी की गई थी।पटवारी की जांच और उपलब्ध दस्तावेजों के आधार पर तहसील न्यायालय लटोरी ने प्रथम दृष्टि में आवेदक के पक्ष में सुविधा का संतुलन मानते हुए बड़ा आदेश जारी किया है। न्यायालय ने निर्देशित किया है कि शासकीय भूमि पर चल रहे सभी निर्माण कार्य तत्काल प्रभाव से बंद किए जाएं। कृषि कार्य सहित किसी भी प्रकार की गतिविधि पर रोक लगाई जाए। विवादित भूमि पर यथास्थिति बनाए रखने का आदेश पारित किया गया है।मामले ने अब स्थानीय स्तर पर भी चर्चा का रूप ले लिया है। ग्रामीणों का कहना है कि लंबे समय से विवादित भूमि पर कब्जे को लेकर तनाव की स्थिति बनी हुई थी। न्यायालय के आदेश के बाद अब सबकी निगाहें इस बात पर हैं कि प्रशासन कब तक मौके पर कार्रवाई कर अवैध कब्जे को हटाता है। यह देखना दिलचस्प होगा कि न्यायालय के आदेश के बाद अनावेदक पक्ष आगे क्या रुख अपनाता है और प्रशासन इस विवाद को किस दिशा में आगे बढ़ाता है।

50 रुपए की कीमत पर मजदूरी, मृतक भू-आश्रित नियोजन में बड़ा अन्याय

छ.ग.फ्रंटलाइन बिश्रामपुर। कोयला उद्योग की रीढ़ माने जाने वाले श्रमिकों से जुड़ा एक चौंकाने वाला खुलासा सामने आया है। मृतक व भू-आश्रित कोटा के तहत एसईसीएल में नियुक्त किए जा रहे युवाओं को व्यावसायिक प्रशिक्षण के दौरान मात्र 50 रुपए प्रतिदिन दिया जा रहा है, जबकि नियम स्पष्ट कहते हैं कि नई नियुक्ति पहले दिन से ही सभी सुविधाओं की हकदार होती है, तो फिर ये विसंगति क्यों हो रही है। अखिल भारतीय खदान मजदूर संघ के सुजीत सिंह ने एसईसीएल प्रबंधन को एक पत्र प्रेषित किया है। पत्र में उल्लेख किया गया है कि मृतक भू-आश्रित कोटा उन परिवारों के लिए जीवनरेखा है, जिनके सदस्य कोयला खदानों में कार्य करते हुए दुर्घटना, बीमारी या अन्य कारणों से अपनी जान गंवा बैठते हैं। ऐसे परिवारों के युवाओं को नौकरी देकर कंपनी उन्हें संकट से उबारने का दावा करती है। वो युवा, जिनके सिर से परिवार का सहारा उठ गया, जो आर्थिक तंगी में घर की जिम्मेदारी संभालने आते हैं, उन्हें प्रशिक्षण के दौरान महज 50 रुपए प्रतिदिन के हिसाब से मिलता है। इससे न भोजन की पूरी व्यवस्था, न आने-जाने का खर्च, न रहने की सुविधा हो पाता है। पत्र में उल्लेखित है कि कोल इंडिया के स्पष्ट आदेशों के बावजूद वीटीसी प्रशिक्षण में कर्मचारियों को पूरा वेतन न देना न्याय के खिलाफ है। मृतक भू-आश्रित परिवारों के साथ ऐसी नीति अमानवीय है। संघ ने इस व्यवस्था को श्रमिक विरोधी व कोल इंडिया नियमों का उल्लंघन बताकर तत्काल संशोधन की मांग की है। ज्ञात हो कि कोल इंडिया के निर्देशों में स्पष्ट प्रावधान है कि नव नियुक्त कर्मचारी पहले दिन से ही सभी तरह की सुविधाओं और वेतन के पात्र होंगे। प्रशिक्षण अवधि को वेतनङ्कभत्तों में किसी भी प्रकार से बाधा नहीं माना जाएगा, फिर एसईसीएल में 50 रुपए प्रतिदिन की प्रशिक्षण नीति कैसे लागू है। पत्र में मांग की गई है कि वीटीसी प्रशिक्षण अवधि में पूर्ण वेतन जीए /1 कैटेगरी के बराबर देने का आदेश तुरंत जारी हो, 50 रुपए प्रतिदिन की नीति तत्काल समाप्त की जाए, कोल इंडिया के मौजूदा नियमों को एसईसीएल में बिना देरी लागू किया जाए। संघ सूत्रों के अनुसार यदि मांगों पर जल्द आदेश नहीं मिलता है तो दिसंबर में एसईसीएल के सभी प्रमुख क्षेत्रों में शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन और ज्ञापन की बात कही जा रही है।

जिले में अब तक 158205.20 क्विंटल धान की खरीदी

छ.ग.फ्रंटलाइन बलरामपुर। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में बलरामपुर-रामानुजगंज जिले में कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा के मार्गदर्शन में किसानों से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी 15 नवम्बर 2025 से प्रारंभ हो गया है। किसानों से धान की खरीदी करने के लिए 49 सहकारी समितियों के अंतर्गत 49 धान उपार्जन केन्द्र बनाये गये हैं।

जिले में अब तक 49 समितियों में किसानों से कुल 158205.20अक्विंटल धान की खरीदी की गई है, जिसमें धान खरीदी केन्द्र कपिलदेवपुर में 104.80 क्विंटल धान की खरीदी की गई है। इसी प्रकार बादा में 1239.20 कुसमी में 503.60 जवाहरनगर में 56.40, कामेश्वरनगर में 9719.60, कोदवा में 517.60, गोपालपुर में 1261.20, भेंडरी में 1838.80, चांदों में 5199.20, जमड़ी में 7278.80, जिगड़ी में 824, जोकापाट में 196., डूमरपान में 3782, डिण्डों में 5422.40, डीपाडीह में 1364, डोंगरो में 788.80, गांजर में 1604.80, त्रिकुण्डा में 5230, बगरा में 2351.60, तातापानी में 5286.40, धंधापुर में 2790.80, डौरा में 1390, पस्ता में 1118, बड़कागांव में 7699.60, बरतीकला में 3396.80, बरदर में 3730, आरा में 389.20, बरियो में 4043.60, बलंगी में 2996.40, बलरामपुर में 2169.20, बसंतपुर में 5240, भुलसीकला में 380, भंवरमाल में 9569.60, रामानुजगंज 4552, महाराजगंज में 7731.60, महावीरगंज में 4110.40, विजयनगर में 7468.80, रघुनाथनगर में 3536.80, रनहत में 50, राजपुर में 2972.40, दोलंगी में 2578.40, रामचंद्रपुर में 50, रामनगर में 4918, वाड्रफनगर में 1545.60 स्याही में 3952.80, विरेन्द्रनगर में 8432.80, सरना में 4105.69 सेवारी में 2663.20 एवं सामरी में 12.80 क्विंटल धान किसानों से खरीदी की गयी है।

श्रम संहिताओं के क्रियान्वयन के लिए एकजुट समर्थन का किया आग्रह

छ.ग.फ्रंटलाइन बिश्रामपुर। कोल इंडिया के प्रभारी सीएमडी आईएएस सनोज कुमार झा ने सभी श्रम संगठनों के पदाधिकारियों कोल इंडिया व उसके अनुषंगी कंपनियों में कार्यरत कर्मियों से सरकार द्वारा हाल ही में लागू किए गए श्रम संहिताओं के क्रियान्वयन में सभी से एकजुट समर्थन का आग्रह किया है। कोल इंडिया लिमिटेड के प्रभारी सीएमडी द्वारा गत दिनों जारी पत्र में सभी ट्रेड यूनियनों और सहायक कंपनियों के कर्मचारियों से नई लागू की गई चार श्रम संहिताओं के प्रभावी क्रियान्वयन में सहयोग देने की अपील की है। कंपनी ने कहा है कि ये संहिताएं देश के श्रम विधिक ढांचे में ऐतिहासिक बदलाव को दर्शाती हैं, जिनका उद्देश्य प्रक्रियाओं को सरल बनाना, श्रमिक कल्याण को बढ़ाना और संगठनात्मक दक्षता को मजबूत करना है। कंपनी प्रबंधन ने कहा कि नए एकीकृत श्रम ढांचे से सामाजिक सुरक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं, सुरक्षा, लैंगिक समानता तथा कौशल विकास से जुड़े लाभों की पारदर्शी और समयबद्ध उपलब्धता सुनिश्चित होगी। साथ ही मानकों की एकरूपता से कर्मचारियों और संगठन दोनों को लाभ मिलेगा। कोल इंडिया ने यह भी स्पष्ट किया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में लंबे समय तक चले मानसून के कारण कई सहायक कंपनियां प्रभावित हुई हैं, जिससे कंपनी उत्पादन लक्ष्य और पिछले वर्ष की समान अवधि के वास्तविक उत्पादन स्तर को हासिल नहीं कर सकी है। प्रबंधन ने चेतावनी दी है कि ऐसी परिस्थितियों में किसी भी प्रकार की नकारात्मक गतिविधि या बाधा उत्पादन में कमी को और बढ़ा सकती है तथा कंपनी के प्रदर्शन पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है। कंपनी ने श्रमिकों और यूनियनों से औद्योगिक शांति बनाए रखने और नए श्रम ढांचे में सुगम परिवर्तन के लिए सहयोग जारी रखने की अपील की है। साथ ही कहा कि सौहार्द, प्रगति और कल्याण के प्रति सामूहिक प्रतिबद्धता देश की ऊर्जा सुरक्षा को और मजबूत करेगी।

गायत्री खदान में कोयला चोरी का काला कारोबार लगातार बेखौफ

छ.ग.फ्रंटलाइन बिश्रामपुर। एसईसीएल बिश्रामपुर क्षेत्र की गायत्री खदान इन दिनों कोयला चोरों के लिए मानो खुला दरवाज़ा बन चुकी है। दिनदहाड़े जारी कोयला चोरी ने न सिर्फ प्रबंधन की नाक में दम कर दिया है, बल्कि सरकारी राजस्व को भी करोड़ों का चूना लग रहा है। हैरानी की बात यह है कि सुरक्षा के लिए जवानों की तैनाती के बावजूद चोरी का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। बताया जा रहा है कि कोयला चोरी का पूरा नेटवर्क बेहद संगठित तरीके से काम कर रहा है। खदान के अलग-अलग हिस्सों से छोटे-छोटे गैंग मोटरसाइकिल और मिनी वाहनों के जरिए कोयला निकालते हैं। कुछ मामलों में तो खदान के किनारों पर बने अस्थायी रास्तों का उपयोग कर रात के अंधेरे में बड़े वाहन भी मौके से पार करा दिए जाते हैं। सूत्रों का कहना है कि यहां से

प्रतिदिन 5 से 10 टन की अवैध निकासी और महीने में 150 से 300 टन कोयले के घाटे का अंदाजा लगाया जा रहा है। यह नुकसान सीधे-सीधे राजस्व पर चोट है, जिससे सरकारी आय पर असर पड़ रहा है। हालांकि प्रबंधन ने सुरक्षा मजबूत करने के लिए सुरक्षा जवानों को तैनात किया है, लेकिन स्थानीय स्तर पर यह भी चर्चा है कि कुछ चोरी गिरोहों को अंदरूनी सूचना भी मिल जाती है, जिससे वे जवानों की मूवमेंट के हिसाब से चोरी की घटना को अंजाम दे रहे हैं। लोगों का कहना है कि खदानों में ड्रोन निगरानी, सीसीटीवी की संख्या बढ़ाने और रूट मैपिंग सिस्टम जैसे कदम उठाकर चोरी पर काफी हद तक रोक लगाई जा सकती है। लगातार बढ़ती कोयला चोरी की घटनाओं से अब प्रशासन और एसईसीएल प्रबंधन दोनों पर दबाव है। कोयला चोरी न सिर्फ अर्थव्यवस्था के लिए खतरा है, बल्कि खदान की सुरक्षा व्यवस्था की वास्तविक तस्वीर भी सामने ला रही है।

ग्रेच्यूटी की अधिकतम सीमा 20 से बढ़ाकर 25 लाख करने ज्ञापन

छ.ग.फ्रंटलाइन बिश्रामपुर। कोयला उद्योग में कर्मचारियों के सामाजिक सुरक्षा अधिकारों को लेकर जारी बहस के बीच हिंद खदान मजदूर फेडरेशन एचएमएस ने केंद्र सरकार से एक महत्वपूर्ण मांग उठाई है। फेडरेशन के महासचिव हरभजन सिंह सिद्धू ने केंद्रीय कोयला मंत्री जी. किशन रेड्डी को पत्र लिखकर कोल इंडिया लिमिटेड के अधिकारियों और कर्मियों के लिए ग्रेच्यूटी की अधिकतम सीमा 20 लाख से बढ़ाकर 25 लाख रुपए करने की मांग की है। फेडरेशन ने अपने पत्र में उल्लेख किया है कि स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड सेल ने 30 अक्टूबर 2025 को जारी सरकारी परिपत्र के माध्यम से अपने कार्यकारी व गैर-कार्यकारी नियमित कर्मचारियों की ग्रेच्यूटी की सीमा बढ़ाकर 25 लाख रुपए कर दी है। इसी निर्णय के बाद अब कोल इंडिया के लाखों कर्मचारियों की निगाहें सरकार और प्रबंधन पर टिक गई हैं।एचएमएस महासचिव सिद्धू ने अपने पत्र में लिखा है कि कोल इंडिया लिमिटेड से यह उम्मीद स्वाभाविक है कि कंपनी सेल की तरह अपने कर्मचारियों के हित में ग्रेच्यूटी सीमा को बढ़ाने का निर्णय जल्द ले। फेडरेशन का कहना है कि यदि ग्रेच्यूटी सीमा बढ़ाई जाती है तो इससे कर्मचारियों और प्रबंधन के बीच विश्वास, सौहार्द और मजबूत श्रम संबंध स्थापित होंगे। यह कदम न केवल कर्मचारियों की वर्षों की मेहनत और योगदान को सम्मान देगा, बल्कि उनकी आर्थिक सुरक्षा को भी मजबूत करेगा। एचएमएस की यह मांग आने वाले दिनों में पूरे कोयला उद्योग में श्रमिक संगठनों की गतिविधियों और दबाव-रणनीतियों को नई दिशा दे सकती है।

एनएसएस के स्वयंसेवक में वह गुण होता है, जो परिवर्तन करा सकता है-कुलपति

सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना एवं यूनिसेफ के संयुक्त तत्वावधान में हुई कार्यशाला

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। राष्ट्रीय सेवा योजना एवं यूनिसेफ छतीसगढ़ के संयुक्त तत्वावधान में विश्वविद्यालय स्तरीय एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन डॉ. नीता बाजपेयी राज्य एन.एस.एस. अधिकारी के नेतृत्व एवं डॉ. एस.एन. पाण्डेय कार्यक्रम समन्वयक रासेयो संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय सरगुजा के मार्गदर्शन में सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय सुभाषनगर में किया गया। कार्यशाला का विषय 'सुरक्षित पारा सुरक्षित लइकामन 3.0' था। इस मौके पर मुख्य अतिथि कुलपति संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय प्रो. डॉ. राजेंद्र लकपाले ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में हो रहे परिवर्तन को जानना है। एन.एस.एस. के स्वयंसेवक में वह गुण होता है, जो परिवर्तन करा सकता है। विशिष्ट अतिथि डॉ. शारदा प्रसाद त्रिपाठी कुलसचिव ने कहा कि हम क्या बनेंगे एवं हमारा महाविद्यालय, विश्वविद्यालय क्या बनेगा ये हम निश्चित करते हैं, इसीलिए हम सभी को मिलकर अच्छे कार्य करना है और अपने विश्वविद्यालय को ऊंचाइयों तक लेकर जाना है। कार्यक्रम का आयोजन दो चरणों में किया गया। कार्यक्रम के बारे में संक्षिप्त जानकारी डॉ. एस.एन पाण्डेय ने दी। उन्होंने कहा 'सुरक्षित पारा-सुरक्षित लइकामन 3.0' एक सामुदायिक जागरूकता अभियान है, जिसका मुख्य उद्देश्य गांव पारा में रहने वाले बच्चों, किशोरों और समुदाय को सुरक्षा, स्वास्थ्य, शिक्षा और संरक्षण से संबंधित मुद्दों

के प्रति जागरूक करना है। यह अभियान विशेष रूप से ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में लागू किया जाता है, जहां संसाधनों की कमी के कारण बच्चे विभिन्न जोखिमों शोषण, बाल विवाह, नशा, हिंसा और विद्यालय छोड़ने का अधिक सामना करते हैं। अभियान के तीसरे संस्करण '3.0' में आधुनिक दृष्टिकोण, डिजिटल जागरूकता, बाल संरक्षण कानूनों की जानकारी और समुदाय की सहभागिता को और मजबूत करने पर बल दिया गया। मुख्य वक्ता अभिषेक त्रिपाठी राज्य सलाहकार यूनिसेफ ने मुख्य पांच विषयों स्वच्छता, पोषण, लैंगिक शिक्षा, मानसिक स्वास्थ्य तथा सामाजिक व्यवहार परिवर्तन के बारे में विस्तार से अपनी बातों को रखा। द्वितीय चरण में डॉ. नीता बाजपेयी ने अपने उद्बोधन में कहा कि हमें स्वयंसेवक के रूप में देश के विकास में मदद करना है। हम एन.एस.एस स्वयंसेवक के रूप में अनेक गतिविधियां करते हैं उन सभी की रिपोर्ट हमें भारत सरकार को देना है और सोशल मीडिया मे अपनी गतिविधियों को दिखाना है, ताकि और लोग हमारे कार्य को देखकर सीखें की किस प्रकार हम भी ऐसी गतिविधियां करें। यदि हम अपना कार्य ईमानदारी से करते हैं तो निश्चित ही सफल होंगे। हमारे पास युवा की शक्ति है, हम चाहें तो किसी भी समस्या का समाधान कर सकते हैं। कार्यक्रम के अंत में अनुभव साझा करते हुए कहा गया कि हम स्वयंसेवक के रूप मे ऐसा कार्य करें जिससे हमारा समाज उन्नति की ओर अग्रसर हो, हम सब मिलकर विकसित भारत का सपना साकार करें। कार्यक्रम में खेमकरण अहिरवार जिला संगठक संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय के अलावा महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. श्रद्धा मिश्रा, सहायक कार्यक्रम अधिकारी रासेयो सीमा बंजारे, सहायक प्राध्यापक प्रियलता जायसवाल, उर्मिला जायसवाल, मिथलेश कुमार गुर्जर, सुप्रिया जायसवाल, सविता यादव, पूजा रानी, ज्योत्सना राजभर, अर्चना सोनवानी, अजीत सिंह परिहार, नितेश कुमार यादव, गोल्डन सिंह एवं सुन्दरराम, बी.एड स्वयंसेवकों की उपस्थिति रही।

सरगुजा जिला में पहली बार वूमेंस लीग सॉफ्ट टेनिस 2025 का आयोजन आज

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। खेलो इंडिया एवं भारतीय खेल प्राधिकरण के तत्वाधान में अस्मिता वूमेंस लीग सॉफ्ट टेनिस 2025 का आयोजन आज 30 नवंबर को शहर के गांधी स्टेडियम स्थित लॉन टेनिस ग्राउंड में 9 बजे से प्रारंभ होगा। आयोजन सरगुजा जिला

में सॉफ्ट टेनिस खेल का पहला और ऐतिहासिक होगा।

राष्ट्रीय कोच राजेश प्रताप सिंह ने बताया कि सरगुजा जिला में पहली बार सॉफ्ट टेनिस जैसे महत्वपूर्ण खेल का आयोजन होना है। उन्होंने बताया कि इस अस्मिता खेलो इंडिया प्रतियोगिता में 200 से अधिक बालिका खिलाड़ी ने अपना पंजीयन कराया है। विशेष रुप से आमंत्रित इन्टरनेशनल साफ्ट टेनिस बालिका खिलाड़ी रिमा राय एवं राष्ट्रीय मेडलिस्ट चंचल सारथी और पुर्णिमा प्रतिकार उपस्थित रहेंगे। सरगुजा में ऐसे आयोजनों से सॉफ्ट टेनिस खेल का तेजी से प्रचार-प्रसार होगा, इससे यहां के बालक-बालिका खिलाड़ियों में इस खेल के प्रति नई उत्साह का संचार होगा। आने वाले समय में यहां के खिलाड़ी राज्य स्तरीय और राष्ट्रीय स्तरीय प्रतियोगिताओं में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करेंगे।

एसईसीएल द्वारा नीट 2026 हेतु नि:शुल्क आवासीय कोचिंग की सुविधा

छ.ग.फ्रंटलाइन बलरामपुर। साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल), कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (सीएसआर) के अंतर्गत, क्षेत्र के प्रतिभाशाली और जरूरतमंद छात्रों के उत्थान हेतु एक महत्वपूर्ण शैक्षिक कार्यक्रम शुरू कर रहा है।

एसईसीएल के द्वारा नीट 2026 की तैयारी कर रहे छात्रों के लिए नि:शुल्क आवासीय कोचिंग प्रदान किया जाएगा। यह पहल विशेष रूप से परियोजना प्रभावित व्यक्तियों के वार्डों और एसईसीएल खनन परियोजनाओं से सटे क्षेत्रों के निवासियों को लक्षित करती है। यह योजना इन छात्रों को चिकित्सा क्षेत्र में प्रवेश पाने हेतु आवश्यक उच्च-स्तरीय तैयारी का अवसर प्रदान करेगी।

जिसमें योग्यता और मेधा के आधार पर छात्रों का चयन एक स्क्रीनिंग / चयन परीक्षा के माध्यम से किया जाएगा। इसके लिए केवल ऑनलाइन के माध्यम से ही आवेदन किए जा सकता है, जिसमें पंजीयन की अंतिम तिथि 5 दिसंबर 2025 तक निर्धारित है स्क्रीनिंग और चयन परीक्षा की तिथि 7 दिसंबर 2025 को होगी।

बिहान मिशन के तहत उद्यमिता को बढ़ावा, वन स्टॉप फैसिलिटी सेंटर हेतु पाँच दिवसीय प्रशिक्षण प्रारंभ

छ.ग.फ्रंटलाइन बलरामपुर। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान के अंतर्गत स्टार्ट अप/स्वरोजगार आधारित उद्यमिता को बढ़ावा देने हेतु वन स्टाप फैसिलिटी सेन्टर परियोजना के संबंध में प्रबंधन समिति, बिजनेस डेवलपमेंट सपोर्ट प्रोवाइडर एवं परियोजना स्टाफ की भूमिकाओं की स्पष्ट समझ विकसित करने के लिए पाँच दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण का शुभारंभ किया गया है। प्रशिक्षण सीएमटीसी बलरामपुर में 28 नवम्बर 2025 से प्रारंभ हुआ है जिसका उद्देश्य वन स्टाफ फैसिलिटी सेन्टर परियोजना की संकल्पना, उद्देश्य, क्रियान्वयन ढांचा तथा विभिन्न घटकों की विस्तृत जानकारी देना,प्रबंधन समिति, सपोर्ट प्रोवाइडर और फील्ड/प्रोजेक्ट स्टाफ के बीच समन्वय, दायित्वों की स्पष्टता तथा परिणाम उन्मुख कार्यप्रणाली विकसित करना, प्रशिक्षुओं को ग्रामीण उद्यमिता, बाजार समझ, वित्तीय प्रबंधन तथा आजीविका विविधीकरण से संबंधित व्यावहारिक जानकारी प्रदान किया जा रहा है।

विद्यालय बंद, अन्यत्र शिफ्ट किए गए बच्चे

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रामानुजनगर. ब्लाक रामानुजनगर के ग्राम पंचायत नारायणपुर में संचालित हंसवाहिनी विद्या मंदिर का वायरल वीडियो उच्चन्यायलय के संज्ञान में आने के बाद बंद हो गया विद्यालय। यहां अध्ययनरत बच्चे अन्य विद्यालयों में शिफ्ट कर दिए गए।

विदित हो कि बच्चों में प्रतिस्पर्धात्मक पढ़ाई को लेकर विद्यालयों के संचालक सदैव मुस्तैद रहते हैं लेकिन किस समय कौन सी बड़ी बात हो जाए किसी को मालूम नहीं रहता, कुछ ऐसी घटना उक्त विद्यालय में घटित हुई। और सूचना तंत्र से प्राप्त जानकारी के अनुसार घटना को संज्ञान में लेते हुए उच्चन्यायालय बिलासपुर के द्वारा शिक्षा सचिव रायपुर को मामले के संबंध में नौ दिसंबर को

शपथपत्र प्रस्तुत करने आदेशित किया है। जिसे लेकर सूरजपुर जिला प्रशासन सकते में है। चूंकि मामला बाल संरक्षण से जुड़ा है, इसलिए जिला प्रशासन सूरजपुर कार्यवाही में कोई कोर कसर नहीं छोड़ना चाह रही है। मामला प्रेमनगर विधानसभा से जुड़ा होने के कारण क्षेत्रीय विधायक भुलन सिंह मराबी विगत दिनों काफी सक्रिय दिखे और घटना में उचित कार्यवाही के लिए जिला प्रशासन निर्देश दिए।

मामले में विपक्ष की इंट्री

विद्यालय संचालक के विरुद्ध थाना रामानुजनगर में कार्यवाही तथा विद्यालय की मान्यता समाप्त होते ही कांग्रेस के क्षेत्रीय नेता भी शुक्रवार को संस्था की ओर से मामले में अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर प्रबंधन को सुरक्षित होने आश्वासन दिया। और बच्चों के अभिभावकों को लामबंद कर कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर विद्यालय को यथावत कार्य करने की मांग जिला कलेक्टर से किए। जिसे लेकर शनिवार को जिला अधिकारियों और पालकों की संयुक्त बैठक शासकीय प्राथमिक विद्यालय नारायणपुर प्रांगण में आयोजित किया गया। जहां अभिभावकों ने बच्चों के भविष्य को लेकर चिंता जताई और कहा कि हम अपने बच्चों को कहां पढ़ाएं, ये हमारी मूल समस्या है। दोनों पक्षों तथा अन्य संभ्रांत लोगों ने बात विमर्श के बाद रास्ता निकाला गया की नारायणपुर में ही बच्चों को पढ़ने के लिए व्यवस्था कर देने से कोई आपत्ति है। तो अभिभावकों ने अपनी सहमति दी जिसके बाद बच्चों को अन्य विद्यालय में शिफ्ट कर दिया गया।

पूर्व उपाध्यक्ष ने कहा केजी के बच्चों के प्रति शिक्षकों का व्यवहार कैसा हो जिला प्रशासन प्रशिक्षण दे

पूर्व जनपद उपाध्यक्ष रामानुजनगर रामनिवास साहू ने कहा कि केजी के नन्हें बच्चों के प्रति शिक्षकों का व्यवहार कैसा हो इस विषय पर जिला प्रशासन शिक्षकों को प्रशिक्षण दे। क्योंकि निजी स्कूलों में काफी शिक्षक अप्रशिक्षित होते हैं। जिन्हें बाल संरक्षण कानूनों की जानकारी नहीं होती है। हमारा व्यवहार बच्चों के प्रति कैसा हो यह भी नहीं जानते हैं।इसलिए कभी कभी शिक्षक नियम विरुद्ध कार्य कर जाते हैं। इन्हें भी अभिभावकों और संचालक का दवाब रहता है।इन्हें ज्ञात होना चाहिए कि छोटे बच्चों को खेल खेल में तथा उसके रुचि का ध्यान रखकर पढ़ाना है। बच्चों के सामने शिक्षकों का व्यवहार भी मायने रखता है। हालांकि अभी तक हंस वाहिनी विद्यामंदिर के खिलाफ मान्यता रद्द और संचालक पर प्राथमिकी दर्ज कर बच्चों का नाम अन्य विद्यालय में दर्ज करा दिया गया है।

धान की रखवाली कर रहे पति-पत्नी को हाथी ने कुचलकर मार डाला

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले में हाथियों के हमले में एक दंपत्ति की मौत हो गई है। इस हादसे के बाद पूरे गांव में दहशत का माहौल है। पति-पत्नी अपने धान की रखवावी कर रहे थे। इसी दौरान हाथियों का एक झुंड मौके पर पहुंच गया। हाथियों के झुंड ने धान बर्बाद नहीं कर दें इसे देखकर दोनों उसे भगाने लगे जिसके बाद बाद एक हाथी आक्रामक हो गया और दोनों पर हमला कर दिया। हादसे में दोनों की मौत हो गई। घटना जिले के भटगांव थाना क्षेत्र के कपसरा गांव की है। 28 नवंबर की रात दंतैल हाथी ने खलिहान में धान की रखवाली कर रहे दंपती को कुचलकर मार डाला। जानकारी के अनुसार, दंतैल हाथी प्रतापपुर वन परिक्षेत्र से देर रात सूरजपुर वन परिक्षेत्र में घुसा था। इसके बाद बाद वह कपसरा गांव पहुंच गया। हाथी ने दोनों को सूंड से उठाकर पटका फिर कुचलकर मार डाला।

खलिहान में बने झोपड़ी में थे दोनों

जानकारी के अनुसार, कपरसा गांव के रहने वाले कबिलास राजवाड़े और उसकी पत्नी धनियारो खलिहान में काटकर रखे गए धान की रखवाली कर रहे थे। शीतलहर और कड़ाके की ठंड से बचने के लिए उन्होंने आम पेड़ के नीचे एक झोपड़ी बना रखी थी। देर रात दोनों उसी झोपड़ी में थे। तभी हाथियों के दल ने उनपर हमला कर दिया। हाथी के बचने के लिए दोनों मौके से भागे लेकिन हाथी ने सूंड से पड़ककर दोनों को मार डाला।

गांव में मचाया उत्पात

28 नवंबर की रात करीब दो बजे दंतैल हाथी कबिलास राजवाड़े के झाले के पास पहुंच गया। हाथी ने बगल में मौजूद अहाते की दीवार को लात मारकर तोड़ दिया। दीवार की ईंटें झाले से टकराई तो दोनों पति-पत्नी झाले से बाहर निकले। जैसे ही वे बाहर आए, उनका सामना दंतैल हाथी से हो गया। हाथी ने दोनों को सूंड से उठाकर पटक दिया और कुचल दिया। हाथी के गांव में आने पर लोग दहशत में आ गए। सुबह खलिहान में दोनों की लाश मिली।

पांच मिनट देरी से पहुंचने पर टीचर ने खेत में फेंक दिए बच्चों के स्कूल बैग

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। छत्तीसगढ़ के एक सरकारी स्कूल में पदस्थ महिला शिक्षिका ने स्टूडेंट्स के स्कूल बैग को क्लास रूम से उठा-उठाकर खेत में फेंक दी। स्टूडेंट्स का कुसूर सिर्फ इतना था कि क्लास रूम में पांच मिनट देरी से पहुंचे थे। स्टूडेंट्स के साथ महिला टीचर के इस तरह के बर्ताव को लेकर पालकों में भारी रोष देखा जा रहा है। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मजीरा में क्लास रूम की कमी के चलते कुछ कक्षाएं 100 मीटर दूर प्राथमिक माध्यमिक शाला में चलाई जाती है। मीडिल स्कूल में 11 वीं कक्षाएं संचालित की जाती है। इसी क्लास के स्टूडेंट्स क्लास रूम में अपना स्कूल बैग रखकर बाहर टहल रहे थे। स्टूडेंट्स के बाहर निकलते ही लेक्चरर क्लास रूम में आई। क्लास रूम को खाली देखकर नाराज हो गई और गुस्से में आकर सभी स्टूडेंट्स के बैग एक-एक कर स्कूल कैंपस से लगे खेत में फेंक दिया। स्टूडेंट्स जब क्लास रूम में आए और बैग कहीं नजर आया तो सबके सब अवाक रह गए। सामने पढ़ाई कर रहे बच्चों से पूछा कि बैग कहां चला गया। बच्चों ने डरते हुए बताया कि मैम आई थी और गुस्से में सभी के बैग को बाहर खेत में फेंक दी है। स्टूडेंट्स सीधे प्राचार्य के पास पहुंचे और इसकी शिकायत दर्ज कराई। स्टूडेंट्स ने अंग्रेजी लेक्चरर की शिकायत की। ग्यारहवीं के छात्रों ने बताया कि सामने छोटे बच्चे पढ़ाई कर रहे हैं उनके सामने मैडम से सभी बैग को बारी-बारी से फेंक दिया है। मैडम ने जब इस घटना से इंकार किया तब प्राइमरी क्लास के बच्चों को बुलाकर पूछताछ की गई। बच्चों ने मैडम द्वारा स्कूल बैग को क्लास रूम से बाहर फेंकने की बात कही।

डीईओ से शिकायत करने की तैयारी

नाराज पालकों ने बताया कि पूरी घटना की डीईओ से शिकायत की जाएगी। स्कूल कैंपस से लगा हुआ खेत है। खेत में बैग फेंक देने से बच्चों को खेत में उतरना पड़ा।

हाईकोर्ट की सख्ती के बाद स्कूल की मान्यता रद्द, संचालक पर भी एफआईआर

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। होमवर्क नहीं करने पर केजी के बच्चे को पेड़ पर लटकाने के मामले में स्कूल की मान्यता रद्द कर दी गई है। इसके साथ ही स्कूल के संचालक के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज की गई है। बच्चे को लटकाने वाली शिक्षिका को स्कूल से पहले ही बर्खास्त कर दिया गया था। इस मामले में नया खुलासा या हुआ है कि बच्चों को पेड़ पर लटकाने वाली शिक्षिका खुद नाबालिग है। बच्चे को पेड़ पर लटकाने का वीडियो वायरल होने पर हाईकोर्ट ने इसे जनहित याचिका मान कर स्वतः संज्ञान लिया था। इस माय नेम इस शिक्षा सचिव से शपथ पत्र भी मांगा गया है। हाईकोर्ट की सख्ती के बाद यह कार्यवाही हुई है। रामानुजनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम नारायणपुर स्थित प्राइवेट स्कूल हंसवाहिनी विद्या मंदिर में केजी-1 से 8वीं तक की पढ़ाई होती थी। इसमें 60 बच्चे अध्ययनरत थे। 24 नवंबर को केजी-2 का एक छात्र होमवर्क नहीं कर पाया था। इस पर वहां कार्यरत शिक्षिका ने उसे टी-शर्ट से पेड़ पर लटका दिया था। इस घटना का वीडियो पास के ही घर के एक युवक ने अपने मोबाइल में बनाकर वायरल कर दिया था। वीडियो वायरल होने के बाद शिक्षा विभाग में हड़कंप मच गया था। वहीं मामले को हाईकोर्ट ने जनहित याचिका मानकर संज्ञान में लिया। चीफ जस्टिस रमेश कुमार सिन्हा व जस्टिस बीडी गुरु की डिवीजन बेंच ने मामले की सुनवाई की। उन्होंने स्कूल शिक्षा सचिव से शपथ पत्र के साथ जवाब मांगा था। इसके बाद सूरजपुर डीईओ अजय कुमार मिश्रा ने स्कूल के खिलाफ एक्शन लेते हुए उसकी मान्यता रद्द कर दी है। स्कूल द्वारा स्कूल के तय मापदंडों का पालन नहीं करने व शर्तो की अनदेखी करने पर यह कार्रवाई की गई।

60 बच्चों को किया जाएगा शिफ्ट

हाईकोर्ट की सख्ती के बाद डीईओ द्वारा स्कूल की मान्यता रद्द कर दी गई है। अब वहां अध्ययनरत 60 बच्चों को दूसरे स्कूल में शिफ्ट किए जाएंगे। बताया जा रहा है कि स्कूल संचालक रामानुजनगर में ही किसी सरकारी स्कूल में गेस्ट टीचर है। इसके साथ ही वह प्राइवेट स्कूल का संचालन कर रहा था।

पेड़ पर लटकाने वाली शिक्षिका दिसंबर में होगी बालिग

जिस शिक्षिका ने बच्चे क पेड़ से लटकाया, वह नाबालिग है। 2 दिसंबर 2025 को वह 18 वर्ष होगी। 10 वीं की मार्कशीट में उसकी जन्मतिथि 2 दिसंबर 2007 है। उसने कॉलेज में एडमिशन लिया है और वह हंसवाहिनी विद्या मंदिर में भी बतौर शिक्षिका पढ़ा रही थी।

स्कूल संचालक के खिलाफ एफआईआर

छात्र को पेड़ से लटकाने का वीडियो सामने आने के बाद अभिभावक भी स्कूल पहुंच गए और हंगामा किया। सूचना पर डीईओ व पुलिस भी मौके पर पहुंचे थे।

रामानुजनगर बीईओ को जांच का जिमा दिया गया था। मामले में शिक्षा विभाग की रिपोर्ट पर रामानुजनगर पुलिस ने स्कूल संचालक सुभाष शिवहरे के खिलाफ धारा 127 (2) और किशोर न्याय बोर्ड की धारा 75, 82 के तहत अपराध दर्ज कर लिया है।

कांग्रेसियों ने मान्यता बहाल रखने सौंपा ज्ञापन

दूसरी ओर कांग्रेस नेत्री की अगुवाई में स्कूली बच्चों के परिजन स्कूली बच्चों के साथ पहुंचकर कलेक्टर से भी मिले थे और बच्चों के भविष्य का हवाला दे स्कूल की मान्यता बरकरार रखने की मांग की थी। वही इस मामले में एबीवीपी ने कलेक्ट्रेट में कल प्रदर्शन भी किया था।

पीएम सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना से कमलेश तिवारी बने उपभोक्ता से उजार्दाता

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी पीएम सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना आम जनता के लिए बड़े बदलाव का माध्यम बन रही है। इस योजना से न केवल घरेलू बिजली की जरूरतें पूरी हो रही हैं, बल्कि उपभोक्ता अतिरिक्त बिजली बेचकर उजार्दाता भी बन रहे हैं। अम्बिकापुर नगर निगम क्षेत्र में इसके सकारात्मक परिणाम तेजी से सामने आ रहे हैं। भगवानपुर वार्ड क्रमांक 1 के निवासी कमलेश तिवारी ने अपने घर की छत पर पीएम सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत सोलर रूफटॉप सिस्टम स्थापित कराया है। उन्होंने बताया कि योजना से

जुड़ने के बाद उनका बिजली बिल पूरी तरह शून्य हो गया है। साथ ही केंद्र एवं राज्य सरकार से उन्हें 1,08,000 की सौर सब्सिडी प्राप्त हुई है, जिससे सोलर रूफ टॉप की लागत में काफी राहत मिली। उन्होंने बताया कि सोलर सिस्टम से उत्पन्न बिजली से घर की आवश्यकता पूर्ण हो जाती है, और बची हुई बिजली सीधे विद्युत विभाग को बेचकर आर्थिक लाभ भी मिल रहा है। विभाग द्वारा वित्तीय वर्ष में अतिरिक्त बिजली का भुगतान किया जाएगा। श्री तिवारी ने कहा कि योजना से ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा मिल रहा है और पर्यावरण संरक्षण में भी बड़ा योगदान हो रहा है। उन्होंने नगरवासियों से अपील की कि वे इस योजना का लाभ उठाकर बिजली बिल की परेशानी से मुक्ति पाएं और स्वच्छ ऊर्जा अपनाएं।

समन्वय बैठक में विधायक और जिपं अध्यक्ष में नोकझोंक

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अलीगढ़, छर्रा विधानसभा का अंदरूनी सत्ता-संघर्ष सर्किट हाउस में चल रही समन्वय बैठक में सामने आ गया। सर्किट हाउस में प्रभारी मंत्री चौधरी लक्ष्मी नारायण की अध्यक्षता में चल रही समन्वय बैठक अचानक सियासी अखाड़ा बन गई। यहां भाजपा से छर्रा विधायक ठा. रवेंद्रपाल सिंह और जिला पंचायत अध्यक्ष विजय सिंह आमने-सामने आ गए। दोनों के बीच आरोप-प्रत्यारोप इतने तीखे हुए कि मंत्री और सांसद सतीश गौतम को बीच-बचाव कर हस्तक्षेप करना पड़ा। विधायक रवेंद्रपाल सिंह ने बैठक में डीएम को शिकायत दी कि सरदार पटेल जयंती पर निकाली गई राष्ट्रीय एकता यात्रा का समापन रघुनंदन इंटर कॉलेज में होना था। यात्रा संयोजक पहले ही प्रधानाचार्य से बात कर चुके थे, लेकिन कार्यक्रम से एक दिन पहले विद्यालय के गेट पर ताले डाल दिए गए और अनुमति देने से मना कर दिया गया। विधायक ने इसे सरकारी निदेर्शों वाले कार्यक्रम में जानबूझकर असहयोग बताते हुए प्रधानाचार्य की जांच की मांग रख दी। प्रधानाचार्य के खिलाफ जांच की बात सुनते ने तुरंत प्रतिवाद करना शुरू कर दिया। वह विद्यालय की प्रबंधक भी हैं। थोड़ी ही देर में दोनों ओर से तीखी बहस शुरू हो गई। जिला पंचायत अध्यक्ष ने यहां तक कह दिया कि अगर ऐसा था तो उनसे सीधे बात करनी चाहिए थी।

किसान गोरेलाल राजवाड़े ने मुख्यमंत्री की किसान हितैषी नीतियों की सराहना

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। जिले में धान खरीदी के दौरान जिले के विभिन्न उपार्जन केन्द्रों में किसानों की संतुष्टि लगातार देखने को मिल रही है। ग्राम पंचायत थोर के किसान गोरेलाल राजवाड़े केशवपुर धान उपार्जन केंद्र में अपना धान बेचने पहुंचे, जहां उन्होंने खरीदी व्यवस्था की खुलकर सराहना की। किसान गोरेलाल राजवाड़े ने बताया कि समिति से टोकन कटाने में किसी भी प्रकार की दिक्कत नहीं हुई और यह प्रक्रिया पूरी तरह सहज एवं सुगम है। उन्होंने कहा कि उपार्जन केंद्र में पहुंचते ही सेवा से संबंधित सभी व्यवस्थाएं उपलब्ध मिल जाती हैं, जिससे

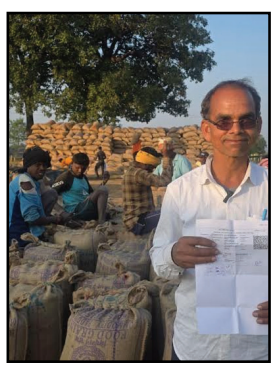

धान की खरीदी बिना किसी परेशानी के सुनिश्चित हो रही है। श्री राजवाड़े ने अपने पहले टोकन में 46 क्विंटल धान बेचा है। उन्होंने बताया कि खेत और खलिहान में रखा बाकी धान भी थ्रेसरिंग होते ही बेचने आएंगे। उन्होंने कहा कि धान खरीदी प्रक्रिया पूरी तरह व्यवस्थित होने से किसान निश्चिंत होकर खरीदी केंद्र पहुंच रहे हैं। किसान गोरेलाल राजवाड़े ने बताया कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की सरकार में किसानों को धान का सर्वाधिक दाम 3100 प्रति क्विंटल मिल रहा है, जिससे क्षेत्र के किसानों में काफी खुशी है। उन्होंने कहा कि यह मूल्य न केवल किसानों को आर्थिक मजबूती प्रदान कर रहा है, बल्कि पूरे परिवार की आजीविका में भी बड़ा सहारा बन रहा है। किसान गोरेलाल राजवाड़े ने सुचारू, पारदर्शी एवं किसान हितैषी धान खरीदी व्यवस्था के लिए मुख्यमंत्री और जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा अगली डीजी-आईजी कॉन्फ्रेंस से पहले देश होगा नक्सल मुक्त

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने रायपुर में आयोजित तीन दिवसीय 60वीं डीजीपी-आईजी कॉफ्रेंस का उद्घाटन किया। अपने सम्बोधन में अमित शाह ने कहा कि, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में डीजीपी/आईजीपी कॉफ्रेंस समस्याओं के समाधान, चुनौतियों और रणनीतियों से नीति निर्धारण तक, देश की आंतरिक सुरक्षा के समाधान का फोरम बन कर उभरी है। गृह मंत्री ने नक्सलवाद के समूल नाश के खिलाफ उठाए गए मोदी सरकार के एक्शनेबल प्वाइंट का जिक्र करते हुए कहा कि केंद्र सरकार ने विगत 7 वर्षों में 586 फोर्टिफाइड पुलिस स्टेशन बनाकर सुरक्षा घेरे को मजबूत बनाया है। इसी का परिणाम है कि, 2014 में नक्सल प्रभावित जिलों की संख्या 126 थी, जो आज घटकर सिर्फ 11 रह गई है। केन्द्रीय गृह मंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि अगली डीजीपी/आईजी कॉन्फ्रेंस से पहले देश नक्सलवाद की समस्या से पूर्णतः मुक्त हो जाएगा।

नारकोटिक्स और भगोड़ों के लिए मजबूत कानून बनाए गए

अमित शाह ने कहा कि, पिछले 40 साल से देश नक्सलवाद की समस्या का सामना कर रहा है। उन्होंने कहा कि, देश के लिए नासूर बने 3 हॉटस्पॉट - नक्सलवाद, नार्थ-ईस्ट और जम्मू-कश्मीर की समस्या के निराकरण के लिए मोदी सरकार ने स्थायी समाधान दिया है और जल्द ही ये देश के बाकी हिस्सों जैसे बन जाएंगे। गृह मंत्री ने मोदी सरकार की उपलब्धियों को रेखांकित करते हुए कहा कि, नेशनल इंवेस्टिगेशन एजेंसी और गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम कानूनों को सुदृढ़ बनाया गया। तीन नए आपराधिक कानूनों के साथ ही नारकोटिक्स और भगोड़ों के लिए मजबूत कानून बनाए गए हैं। उन्होंने कहा कि, तीनों नए आपराधिक कानूनों के पूरी तरह लागू होने के बाद भारत की पुलिसिंग विश्व में सबसे आधुनिक बन जाएगी।

कई ठिकानों पर छापे मार कर की गईं गिरफ्तारियां

केन्द्रीय गृह मंत्री ने आतंकवाद और उग्रवाद पर मोदी सरकार की कार्रवाई का जिक्र कहते हुए कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा पॉपुलर फ्रन्ट ऑफ इंडिया (पीएफआई) पर बैन लगाने के बाद देशभर में उसके ठिकानों पर छापे मार कर गिरफ्तारियां की गईं, जो केंद्र-राज्य के समन्वय का उत्तम उदाहरण है। उन्होंने कहा कि, सुरक्षाबलों और पुलिस द्वारा बुद्धिमत्ता की सटीकता, उद्देश्य की स्पष्टता और एक्शन की सिनर्जी के तीन बिंदुओं पर काम कर कट्टरता, उग्रवाद और नारकोटिक्स पर कड़ा प्रहार किया जा रहा है।

एसआईआर की प्रक्रिया पर छत्तीसगढ़ के पूर्व डेप्युटी सीएम टीएस सिंहदेव ने उठाए सवाल

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। छत्तीसगढ़कांग्रेस के वरिष्ठ नेता टीएस सिंह देव ने कहा कि एसआईआर को अनावश्यक प्रक्रिया बताया है। उन्होंने कहा बिहार में हुई प्रक्रिया को छिपाने के लिए 12 राज्यों पर एसआईआर को थोप दिया गया है। उन्होंने कहा कि एसआईआर की प्रक्रिया क्या है? बीएलओ को घर जाकर फॉर्म देना चाहिए, लेकिन मुझे अपना ही फॉर्म भरने में परेशानी हुई है। बीएलओ से हम कितनी उम्मीद करें? हमसे गलती हो जाए और इसका प्रमाण हमारे पास रहे, वह भी हमें नहीं मिल रहा है। उन्होंने कहा कि बीएलओ यह काम ठीक से नहीं कर पा रहे हैं। ऐसे में उनके साथ अन्य कर्मियों को भी लगा दिया गया है। इसका मतलब यह हुआ कि यह प्रक्रिया दोषपूर्ण है। एक बीएलओ के जरिए पूरी वोटर लिस्ट बनवाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव अधिकारियों से फॉर्म भरवाइए और अगर कोई दिक्कत है तो उन्हें बुलवाइए। नागरिकों से फॉर्म भरवाकर उन्हें क्यों परेशान किया जा रहा है? इससे पहले हुई एसआईआर की प्रक्रिया इस तरह नहीं हुई थी।

प्रधानमंत्री का स्वागत है

प्रधानमंत्री के छत्तीसगढ़ दौरे को लेकर कांग्रेस नेता टीएस सिंह देव ने कहा, ₹छत्तीसगढ़ का नागरिक होने के नाते मैं कहता हूं कि सिर्फ एक व्यक्ति नहीं आ रहा है, देश के प्रधानमंत्री आ रहे हैं और उनका स्वागत है। मुझे खुशी होगी अगर प्रधानमंत्री अपने तीन दिन के छत्तीसगढ़ दौरे के दौरान राज्य और देश के मौजूदा हालात पर भी ध्यान दें। किसानों को गंभीर मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है, चाहे वह खाद की सप्लाई हो या दूसरे मामले। अब जब धान खरीदने का सीजन शुरू हो गया है, तो एग्रीकल्चर-स्टैकिंग से जुड़ी नई मुश्किलें आ गई हैं।

सरकार ने जमीनों के दाम बढ़ा दिए हैं

उन्होंने यह भी कहा कि महंगी बिजली और जमीन के दाम बढ़ाए जाने पर भी ध्यान दें। सरकार ने जमीनों के दाम बढ़ा दिए हैं। इससे वंचित तबके को फायदा नहीं मिलने वाला है। वंचित तबके के पास जमीन ही नहीं है, मुआवजे से उनको कितना फायदा मिलने वाला है? जमीन खरीदने वाले को नुकसान झेलना पड़ रहा है। नागरिकों का पैसा लेकर सरकार चलाती है। मैं प्रधानमंत्री का ध्यान इस पर भी आकर्षित करना चाहता हूं।

सम्पादकीय

प्रदूषण से निपटने को कड़े कदम उठाने की जरूरत

एक समय था जब जहरीली हवा के मामले में चीन का शहर बीजिंग दुनिया भर में बदनाम था। एक्यूआई 500 को भी पार कर चुका था। चौतरफा प्रदूषण को लेकर चीन निशाने पर था। विदेशी कंपनियां निवेश करने से हिचकने लगीं थी। चीनी अमीर दूसरे देशों में बसने के बारे में सोचने लगे। वायु प्रदूषण की समस्या चीन के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शर्मिंदगी का कारण बन गई थी। बीजिंग में 2007 से एयर पॉल्यूशन शुरू हुआ तो 2011 तक पहुंचते-पहुंचते हालात दिल्ली से भी बदतर हो गए थे। शहर घने ग्रे स्मॉग से ढका रहता था। पीएम 2.5 का स्तर खतरनाक हो गया। 2013 में बीजिंग में एक्यूआई 755 तक दर्ज किया गया। उस साल कई रिपोर्टों में बीजिंग को दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर और चीन के इतिहास में सबसे प्रदूषित साल करार दिया गया। तब ड्रैगन ने आक्रामक, सख्त और सुनियोजित नीतियां व योजनाएं बनाईं। इस पर तुरंत अमल शुरू किया गया। चीन सरकार ने 2013 में 5 साल के लिए एयर पॉल्यूशन प्रिवेंशन एंड कंट्रोल एक्शन प्लान बनाया। इसमें बीजिंग-तियानजिन-हुबेई क्षेत्र के लिए पीएम 2.5 कम करने के सख्त लक्ष्य तय किए गए। सरकार ने उद्योगों, ईंधन मानकों और शहर नियोजन के लिए कठोर नियम लागू किए। साल 2018 से ब्लू स्काई प्रोटेक्शन कैंपेन शुरू हुआ, जिसने नियमों को और कड़ा कर दिया गया। सरकार ने बीजिंग के आसपास के हजारों छोटे और अत्यधिक प्रदूषक कारखानों को या तो बंद कर दिया था या फिर दूर के प्रांतों में शिफ्ट कर दिया। स्टील, सीमेंट और कोयला पर चलने वाले बिजली संयंत्रों जैसे भारी उद्योगों को क्लीन एनर्जी और टेक्नोलॉजी अपनाने या फिर बीजिंग छोड़ने को मजबूर किया गया। साल 2017 में अपना आखिरी कोयला-आधारित बिजली संयंत्र भी बंद कर दिया। इसी के साथ प्राकृतिक गैस और नवीकरणीय ऊर्जा की ओर रुख किया। तभी सरकार ने तय किया कि बीजिंग में बिजली आधारित वाहनों का उपयोग सबसे ज्यादा किया जाएगा। इसके लिए जगह-जगह चार्जिंग प्वाइंट लगाए गए, ताकि लोगों में बिजली वाहनों के प्रति भरोसा जगाया जा सके। इसका खासा असर भी दिखाई दिया। महज तीन साल में ही 30 फीसदी बिजली के वाहन शहर की सड़कों पर दौड़ने लगे, जिनका नतीजा है कि आज उसकी हवा साफ हो चुकी है। एक्यूआई लेवल 100 तक आ पहुंचा है। इसी के साथ अब बीजिंग एयर पॉल्यूशन से जूझ रहे शहरों के लिए उदाहरण बन गया है। अगर चीन ऐसा कर सकता है तो हम क्यों नहीं। बस जरूरत केवल इस बात कि है कि प्रदूषण के कारकों की पहचान करके उसका निदान किया जाए। आज दिल्ली-एनसीआर का एक्यूआई 699 को भी पार कर चुका है। सांसें जहरीली होती जा रही हैं। हर घर में खांसी और आंख में जलन के मरीज हैं। हालत का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि दिल्ली। सरकार ने वायु प्रदूषण से निपटने के लिए ग्रेप-3 लागू कर दिया है। सभी सरकारी और निजी दफ्तरों को 50 फीसदी कर्मचारियों से वर्क फ्रॉम होम करने को कह दिया गया है। इतना सब होने के बाद भी हालातों में सुधार नहीं हो पा रहा है। हर साल होने वाली इस परेशानी के निदान के लिए रोड मैप बनाकर उसका सख्ती से पालन करने की जरूरत है। आज सुप्रीम कोर्ट ने भी ऐसे ही संकेत दिए हैं। अगर हम ऐसा कर पाए तो एक बार फिर से देश की राजधानी दिल्ली दिल वालों की कहलाएगी।

चिंतन

मनोज कुमार अग्रवाल

हे राम! दूध भी सुरक्षित नहीं

हाल ही में सामने आए एक अध्ययन ने पूरे देश को चौंका दिया है, जिससे पता चलता है कि मां का दूध ही बच्चे के लिए जहर बनता जा रहा है। एक अध्ययन के अनुसार बिहार में मां के दूध के नमूनों में यूरेनियम की मौजूदगी पाई गई है। इस अध्ययन ने देशभर में चिंता की लहर पैदा कर दी है। पटना स्थित महावीर कैंसर संस्थान द्वारा की गई एक रिसर्च में बिहार की महिलाओं के स्तन दूध में यूरेनियम मिलना जितना गंभीर है, उतना ही चिंताजनक भी, क्योंकि यह सीधे-सीधे नवजात बच्चों के स्वास्थ्य से जुड़ा मामला है।

सृष्टि की शुरुआत से यह माना जाता है कि मां का दूध नवजात बच्चों के लिए अमृत समान है, क्योंकि इसमें प्रतिरोधक क्षमता अधिक होती है, जो उन्हें संक्रमण के प्रभाव से बचाता है। जैसा कि आप सभी लोग जानते हैं कि चिकित्सकों की राय के अनुसार नवजात मां का दूध शिशु के जीवन के लिए न सिर्फ पहली ढाल होता है, बल्कि रोगों से सुरक्षा भी प्रदान करता है। साथ ही मस्तिष्क के विकास में सहयोगी और प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने की प्राकृतिक शक्ति प्रदान करता है, लेकिन सोचिए, अगर वही दूध किसी जहर के साथ मिलकर बच्चे तक पहुंचे, तो कितना खतरनाक हो सकता है। यह विचार ही किसी भी माता-पिता या समाज को हिलाने के लिए काफी है।

हाल ही में सामने आए एक अध्ययन ने पूरे देश को चौंका दिया है, जिससे पता चलता है कि मां का दूध ही बच्चे के लिए जहर बनता जा रहा है। एक अध्ययन के अनुसार बिहार में स्तन दूध के नमूनों में यूरेनियम की मौजूदगी पाई गई है। इस अध्ययन ने देशभर में चिंता की लहर पैदा कर दी है। पटना स्थित महावीर कैंसर संस्थान द्वारा की गई एक रिसर्च में बिहार की महिलाओं के स्तन दूध में यूरेनियम मिलना जितना गंभीर है, उतना ही चिंताजनक भी, क्योंकि यह सीधे-सीधे नवजात बच्चों के स्वास्थ्य से जुड़ा मामला है। यह अध्ययन अक्टूबर 2021 से जुलाई 2024 के बीच बेगूसराय, भोजपुर, समस्तीपुर, खगड़िया, कटिहार और नालंदा जिलों में 17 से 35 वर्ष की 40 महिलाओं पर किया गया। जांच में पाया गया कि सभी नमूनों में यूरेनियम (यू-238) मौजूद था। यह मात्रा 5.25 जी/एल तक दर्ज की गई। ब्रिटिश जर्नल 'साइंटिफिक रिपोर्टस' में प्रकाशित इस शोध में कहा गया है कि ब्रेस्ट मिल्क के नमूनों में 5 पीपीवी (प्रति अरब भाग) तक यूरेनियम पाया गया। यूरेनियम एक रेडियोधर्मी तत्व है, जो लंबे समय तक शरीर में रहने पर किडनी, हड्डियों और कोशिकाओं को प्रभावित कर सकता है। स्टडी में स्पष्ट किया गया है कि इस स्तर का तत्काल प्रभाव कम हो सकता है, परंतु शिशु यूरेनियम के एक्सपोजर के प्रति वयस्कों की तुलना में अधिक संवेदनशील होते हैं। उनके शरीर में डिटॉक्सिफिकेशन क्षमता सीमित होती है, जिससे कोई भी रेडियोधर्मी तत्व अधिक तेजी से नुकसान पहुंचा सकता है। हालांकि इस रिसर्च में बताया गया है कि 40 माताओं के दूध में यूरेनियम मिला, लेकिन ज्यादातर मामलों में इसका स्तर अनुमेय सीमा से नीचे था। लगभग 70 प्रतिशत शिशुओं में संभावित गैर-कार्सिनोजेनिक जोखिम देखा गया, पर इसका वास्तविक स्वास्थ्य प्रभाव कम होने की संभावना है। इसके बावजूद, यह तथ्य कि सभी महिलाओं के दूध में यूरेनियम मौजूद है, अपने आप में एक गंभीर चेतावनी है। परमाणु वैज्ञानिक और एनडीएमए के सदस्य डॉ. दिनेश के. असवाल का कहना है कि इसमें डरने की जरूरत नहीं है, क्योंकि पाया गया स्तर विश्व स्वास्थ्य संगठन की सुरक्षित सीमा से छह गुना कम है। डब्ल्यूएचओ पीने के पानी में यूरेनियम की सुरक्षित सीमा 30 पीपीबी तक मानता है, जबकि बिहार के नमूनों में सिर्फ 5 पीपीबी पाया गया। विशेषज्ञों ने यह भी बताया कि स्तनपान कराने वाली माताओं के शरीर में गया अधिकांश यूरेनियम मूत्र के जरिए बाहर निकल जाता है, और स्तन के दूध में इसकी मात्रा बहुत कम होती है।

लेकिन यहां बड़ा सवाल यह नहीं कि स्तर सुरक्षित सीमा से कम है या ज्यादा। असली चिंता यह है कि आखिर महिलाओं के दूध में यूरेनियम पहुंच क्यों रहा है? यह संकेत है कि भूजल में यूरेनियम की उपस्थिति लगातार चढ़ रही है। शोध में बताया गया है कि भारत के लगभग 151 जिलों और 18 राज्यों में भूजल यूरेनियम प्रदूषण पाया जा चुका है। यह आंकड़ा सिर्फ बिहार ही नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए खतरे की घंटी है। एक और महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि शिशु अपने शरीर से यूरेनियम को तुरंत बाहर नहीं निकाल पाते, इसलिए वे अपनी माताओं की तुलना में अधिक संवेदनशील होते हैं। उनका शरीर विकसित हो रहा होता है और किसी भी रेडियोधर्मी तत्व का असर उन पर अधिक तेजी से पड़ सकता है। बच्चों पर यूरेनियम का असर सबसे खतरनाक इसलिए भी होता है, क्योंकि उनके शरीर में हेवी मेटल्स को बाहर निकालने की क्षमता बेहद कम होती है। इसके कारण किडनी का विकास प्रभावित हो सकता है, न्यूरोलॉजिकल विकास रुक सकता है, आईक्यू कम हो सकता है और मानसिक स्वास्थ्य पर भी दीर्घकालिक असर पड़ सकता है। यह सिर्फ स्वास्थ्य का मुद्दा नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों की बौद्धिक क्षमता और राष्ट्रीय विकास से जुड़ा सवाल है। इस स्थिति पर सरकार और समाज दोनों को गंभीरतापूर्वक सोचना होगा। अगर भूजल में भारी धातुओं और रेडियोधर्मी पदार्थों का स्तर बढ़ रहा है, तो इसका असर सिर्फ दूध पर नहीं, बल्कि पेयजल, फसलों और पूरे खाद्य चक्र पर भी पड़ेगा।

असली समाधान भूजल की गुणवत्ता सुधारने, जलस्रोतों के परीक्षण को मजबूत करने और प्रदूषण के स्रोतों का पता लगाने से होगा। सरकार को चाहिए कि तत्काल उन इलाकों में पानी की जांच शुरू कराए जहां से नमूने लिए, गए थे। पानी शुद्धिकरण की योजनाओं को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। स्वास्थ्य विभाग को माताओं और बच्चों की नियमित जांच करानी चाहिए। साथ ही, वैज्ञानिकों और पर्यावरण विशेषज्ञों को मिलकर यह समझना होगा कि भूजल में यूरेनियम आखिर क्यों बढ़ रहा है, क्या यह प्राकृतिक कारण हैं, औद्योगिक प्रदूषण है, या किसी और बजह से मिट्टी और पानी में बदलाव हो रहा है? इस समस्या को हल्के में लेना भविष्य की पीढ़ी के साथ अन्याय होगा। यह सिर्फ एक शोध नहीं, बल्कि चेतावनी है कि हमारा पर्यावरण धीरे-धीरे प्रदूषण के ऐसे स्तर तक पहुंच रहा है जो मानव स्वास्थ्य के लिए घातक हो सकता है। बच्चों का स्वास्थ्य किसी भी राष्ट्र के लिए सबसे बड़ी प्राथमिकता होनी चाहिए। इसलिए सरकारों को तुरंत कदम उठाने होंगे। स्तनपान आज भी शिशु के लिए सबसे अच्छा आहार है और इसे किसी भी स्थिति में बंद नहीं किया जाना चाहिए। लेकिन साथ ही, यह भी जरूरी है कि महिलाएं जिस वातावरण में रहती हैं, यह सुरक्षित हो। पानी, हवा और मिट्टी की गुणवत्ता सुनिश्चित करना सरकार की जिम्मेदारी है। आने वाली पीढ़ी को सुरक्षित रखना किसी भी समाज का सबसे बड़ा कर्तव्य है। देखा जाए तो यह अध्ययन देश के स्वास्थ्य ढांचे को आईना दिखाता है। यह बताता है कि पर्यावरण संकट सबसे पहले और सबसे ज्यादा बच्चों को प्रभावित है। आज अगर बिहार के 40 नमूनों में यूरेनियम पाया गया है, तो कल यह संख्या बढ़ सकती है। वैश्विक स्तर पर अमेरिका, कनाडा और चीन जैसे देशों के भूजल में यूरेनियम मिलने की खबरें आती रही हैं, लेकिन बिहार में इसका ब्रेस्ट मिल्क में पाया जाना समस्या को एक नए और गंभीर स्तर पर ले जाता है। हालांकि, इन चौंकाने वाले नतीजों के बावजूद शोधकर्ताओं ने माताओं को सलाह दी है कि वे स्तनपान कराना बंद न करें, क्योंकि मां का दूध शिशुओं के लिए पोषण का सबसे सर्वोत्तम स्रोत है, लेकिन सरकार को इसके स्रोतों का पता लगाकर जल्द रोकथाम करनी होगी। ताकि मां का दूध अमृत बना रहे।

हालात

ऋतुपर्ण दवे

युवाओं पर कसता जा रहा डिजिटल लत का शिकंजा

आज दुनियाभर में सबसे ज्यादा चिंता का विषय बच्चों को बढ़ती डिजिटल लत से बचाना है। वैसे यह वह मानसिक बीमारी है जो आहिस्ता-आहिस्ता लोगों को मानिसक रूप से जकड़ रही है। लोग खुद पर नियंत्रण खोते जा रहे हैं। आने वाले दिनों में इसको लेकर बद से बदतर हालात दिखने लगेंगे। दरअसल, मोबाइल फोन वह नशा बनता जा रहा है, जिसके आगे बड़े से बड़ा नशा काफूर हो रहा है। परेशान करने वाली सच्चाई यह है कि 3 से 12 साल की उम्र के बच्चे सोशल मीडिया से सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं। जो उम्र उनके दिमाग के तेजी से विकास की है उसमें ज्यादा वक्त स्क्रीन पर बिताकर सामाजिक गतिविधियों, खेल-कूद व रचनात्मक सोच से बच्चे दूर हो जाते हैं। सभी ने बच्चों के बदलते व्यव्हार को भांपा है। आखिर इसका समाधान क्या होगा? शुकून की बात यह है कि कुछ देश आगे बढ़कर पहल कर रहे हैं। बच्चों का स्क्रीन टाइम कम करने और साइबर बुलिंग व दूसरे अपराधों से बचाने के लिए अपनी-अपनी तरह से कुछ सरकारों की पहल अच्छी है। इस पर अलग-अलग देशों में कानून भी अलग हैं। फ्रान्स में 200 स्कूलों में स्मार्टफोन पर पाबंदी लगाने के बाद आई सफलता के 'डिजिटल ब्रेक' प्रयोग से छात्र और स्कूल स्टाफ, दोनों ही संतुष्ट हैं। नार्वे और स्पेन में बच्चों के सोशल मीडिया अकाउंट खातिर डेटा प्रोटेक्शन सहमति की उम्र पहले क्रमशः 13,14 थी, जिसे बढ़ाकर 16 कर दिया गया है। दक्षिण कोरिया ने स्कूल, क्लासरूम में फोन प्रतिबंधित करने वाला कानून बना दिया। इसी साल 26 अगस्त को 163 में 115 सांसदों की मुहर से लागू कानून मार्च 2026 से लागू होगा, ताकि बच्चों की पढ़ाई, उनके सामाजिक मेल-जोल और बर्ताव में सुधार आ सके। फिनलैंड में छोटे बच्चों के लिए मोबाइल प्रतिबंधित है तो इटली, नीदरलैंड्स में कक्षाओं में मोबाइल फोन, टैबलेट और स्मार्टवॉच पर रोक है तो चीन में, प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थी बिना अभिभावक लिखित इजाजत स्कूल में फोन नहीं ले जा सकते, जबकि डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिक्सन ने इसी 8 अक्टूबर को संसद में कहा कि वहां 15 साल से कम उम्र के बच्चों को सोशल मीडिया से दूर रखने की योजना बनाई जा रही है, क्योंकि हमने एक राक्षस को जन्म दिया है जो मोबाइल के रूप में हमारे बच्चों का बचपन छीन रहा है। जर्मनी में 16 साल से कम उम्र के बच्चों को सोशल मीडिया उपयोग के लिए अभिभावक की अनुमति जरूरी होगी। यूरोपियन यूनियन स्तर पर जनरल डेटा प्रोटेक्शन कहता है कि सदस्य देश प्लेटफॉर्म के लिए यूजर की सहमति की कम से कम उम्र तय कर सकते हैं, बशर्ते वह 13 साल से ज्यादा हो। जबकि ईरान कई सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स या तो प्रतिबंधित हैं या उन पर कड़ी निगरानी रखी जाती है। म्यांमार और उत्तर कोरिया में इंटरनेट और सोशल मीडिया पर लगभग पूर्ण प्रतिबंध है और सरकारी नियंत्रण वाले प्लेटफॉर्म ही वहां हैं। रूस और तुर्किए में विशेष परिस्थितियों जैसे राजनीतिक विरोध या अशांति में सोशल मीडिया बैन लगते हैं। डेनमार्क पहले ही स्कूलों में मोबाइल पर बैन लगा चुका है और अब सोशल मीडिया पर भी बच्चों के लिए सख्त प्रतिबंध और सर्विस प्रोवाइडर पर भारी भरकम जुर्माने की योजना बना रहा है।

बीते नवंबर में ऑस्ट्रेलिया में 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया बैन का बिल संसद पक्ष और विपक्ष दोनों की सहमित से पारित हुआ। वहां के प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया को टेंशन बढ़ाने वाला, ठगों और ऑनलाइन अपराधियों का हथियार बताया था। ऑस्ट्रेलिया ऐसा बिल पारित करने वाला दुनिया का पहला देश भी बना। बिल के अनुसार एक्स, टिकटॉक, फेसबुक और इंस्टाग्राम जैसे प्लेटफॉर्म बच्चों को अकाउंट रखने से रोकने में नाकाम रहते हैं, तो उन पर 275 करोड़ रुपए (32.5 मिलियन डॉलर) जुर्माना लग सकता है। रोक की मंशा यह है कि आस्ट्रेलियाई युवक फोन छोड़कर फुटबॉल, क्रिकेट और टेनिस खेलें। ऑस्ट्रेलिया के नक्शे कदम पर, ब्रिटिश सरकार भी 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया बैन पर विचार कर रही है। सरकार का मानना है कि ऑनलाइन सुरक्षा के लिए जो भी करना होगा, करेंगे उसमें बच्चों के लिए विशेष। गनीमत है कि कई देशों की सरकारें मोबाइल फोन और अन्य स्मार्ट डिवाइस को लेकर बच्चों की चिंता करने लगी हैं। लेकिन सच्चाई यह है कि मोबाइल-इण्टनेट को लत कहें या खुमारी पूरी मानवता पर पड़ रही है भारी। अभी भी वक्त है चेतने का, अगर आलम यही रहा तो आने वाले चंद वर्षों में दुनिया कितनी और कैसी बदलेगी, सोचकर ही सिरहन होती है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

अहंकार ही अज्ञान है

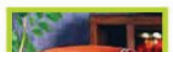

सूर्य वैसे तो सारे संसार को प्रकाश और ताप देता है, पर यदि वह मेघ से आच्छन्न हो जाए तो ऐसा नहीं कर पाता। इसी भांति जब तक हृदय अहंकार के आवरण से आच्छादित रहता है, तब तक उसमें भगवान प्रकाशित नहीं हो पाते। यह अहं मेघ की तरह है। इसी के कारण हम

संकलित

दर्शन

ईश्वर को नहीं देख पाते। यदि श्रीगुरु की कृपा से अहं-बुद्धि दूर हो जाए तो फिर ईश्वर के पूर्ण दर्शन हो जाते हैं। जैसे, सिर्फ ढाई हाथ की दूरी पर ही साक्षात पूर्णब्रह्म श्रीरामचंद्र जी हैं, किंतु बीच में सीता रूपिणी माया का आवरण होने के कारण लक्ष्मण जी रूपी जीव को ईश्वर राम के दर्शन नहीं होते। जीव का अहंकार ही माया है। यही अहंकार सब आवरण का मूल है। मैं के मरने पर ही सारा जंजाल दूर होगा। अगर किसी को ईश्वर की कृपा से मैं कर्ता नहीं हूं- यह ज्ञान हो जाए, तब तो वह जीवनमुक्त ही हो गया। फिर उसे किसी बात का भय नहीं। अगर मैं अपने को इस अंगोछे की ओट में कर लूं तो तुम मुझे नहीं देख सकते, पर मैं तुम्हारे बिल्कुल नजदीक ही हूं। इसी भांति और सभी चीजों की अपेक्षा ईश्वर ही तुम्हारे सबसे ज्यादा निकट है, किंतु अहं रूपी आवरण के कारण तुम उनके दर्शन नहीं कर सकते। जब तक अहंकार रहता है, तब तक न ज्ञान होता है, न मुक्ति मिलती है। हांडी में रखे पानी और चावल, दाल, आलू आदि को तब तक छुआ जा सकता है, जब तक हांडी आग पर नहीं रखी जाती। जीव की देह मानो हांडी है और धन, मान, विद्या, बुद्धि, जाति, कुल आदि मानों दाल, चावल, आलू की तरह हैं। अहंकार ही आग है, जिसके कारण ही जीव गरम (गर्वीला) होता है।

मंत्र का असर

एक निर्धन औरत एक साधु के पास गई, 'स्वामी जी! कोई ऐसा पवित्र मन्त्र लिख दीजिये जिससे मेरे बच्चों का रात को भूख से रोना बन्द हो जाये...।' साधु ने कुछ पल एकटक आकाश की ओर देखा फिर अपनी कुटिया में अन्दर गया और एक पीले कपड़े पर एक

संकलित

प्रेरणा

मन्त्र लिखकर उस ताबीज की तरह लपेट-बाँधकर उस महिला को दे दिया। साधु ने कहा, 'इस मन्त्र को घर में उस जगह रखना, जहाँ अपनी मेहनत की कमाई का धन रखती हो।' महिला खुश होकर चली गई। ईश्वर कृपा से उस दिन उसके पति की आमदनी ठीक हुई और बच्चों को भोजन मिल गया। रात शान्ति से कट गई। अगले दिन भोर में ही उन्हें पैसों से भरी एक थैली घर के आंगन में मिली। थैली में धन के अलावा एक पर्चा भी निकला, जिस पर लिखा था, कोई कारोबार कर लें...। इस बात पर अमल करते हुवे उस औरत के पति ने एक छोटी सी दुकान किराए पर ले ली और काम शुरू किया। धीरे धीरे कारोबार बढ़ा, तो दुकानें भी बढ़ती गईं...। जैसे पैसों की बारिश सी होने लगी...। पति की कमाई तिजोरी में रखते समय एक दिन उस महिला की नज़र उस मन्त्र लिखे कपड़े पर पड़ी...। 'न जाने, साधु महाराज ने ऐसा कौन सा मन्त्र लिखा था कि हमारी सारी तंगी दूर हो गई?' सोचते सोचते उसने वह मन्त्र वाला कपड़ा खोल डाला...। जिस लिखा था कि.. जब पैसों की तंगी समाप्त हो जाये, तो सारा पैसा तिजोरी में छिपाने की बजाय कुछ पैसे ऐसे घर में डाल देना जहाँ से रात को बच्चों के रोने की आवाजें आती हों..!!

फ्लावर शो

बेंगलुरु में गुरुवार को कब्बन पार्क फ्लावर शो 2025 के दौरान सब्जियों से बना एक हाथी दिखाया गया।

आज की पाती

अन्याय कभी भी सहन मत करो

यदि आज हम किसी अन्य के साथ हो रहे अन्याय का विरोध नहीं करते, तो यकीन मानिए एक दिन हम स्वयं भी उसी अन्याय का शिकार अवश्य ही होंगे। यही समय है, यही पल, यही क्षण है। ये इंतजार कभी भी नहीं कीजिए, कि केवल हमारे ही साथ कहीं कभी अन्याय होगा, तभी हम किसी सड़ी हुई विकृत व्यवस्था का विरोध करेंगे। फिर उस वक्त व्यर्थ के रुदन, रोने-धोने से कोई लाभ, कोई सकारात्मक प्राप्ति होना अत्यंत ही कठिन या संभवतः असंभव हो सकता है। एक बहुत प्रसिद्ध उक्ति है कि न्याय में देरी, लगभग अन्याय के ही बराबर है। देश, समाज, दुनिया में कहीं एक जगह, किसी एक के साथ हो रहा अन्याय, हर जगह अन्याय होना भी माना जा सकता है। आम तौर पर लोग अन्याय का विरोध नहीं करते हैं, जिसके परिणाम भयंकर होते हैं।

- प्रवीण पांडे, धमतरी

ट्रेंड

उत्कृष्ट परिणाम

टोक्यो में आयोजित 25वें डेफलंपिक्स 2025 में 9 स्वर्ण पदकों सहित 20 पदकों की ऐतिहासिक सर्वश्रेष्ठ पदक तालिका के साथ, हमारे एथलीटों ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि दृढ़ संकल्प और समर्पण से उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं।

- नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

शानदार फिल्म

सच्ची घटना पर आधारित '120 बहादुर' जैसी देशभक्ति की फिल्म हर सच्चे देशभक्त को देखनी भी चाहिए और दूसरों को देखने के लिए कहना भी चाहिए। जिससे नई पीढ़ी भी सैनिकों के बलिदान की गौरव गाथा से परिचित हो सके। अभिनेता से लेकर फिल्म से जुड़े हर पक्ष का काम सराहनीय है।

- अखिलेश यादव, सपा नेता

कार्रवाई की ज़रूरत

निर्मम हत्या कर दिए गए दो राष्ट्रीय रक्षकों के परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदना। हमारी चरमराई व्यवस्था को सुधारने के लिए कितने निर्दोष लोगों की जान लेनी पड़ेगी? कठोर कार्रवाई की जरूरत है।

- एलन मास्क, उद्योगपति

मेरे लिए बहुत कुछ

वह मेरे लिए बहुत कुछ थे। एक प्यारे पति, हमारी दोनों बेटियों, ईशा और अहाना, के लाडले पिता, दोस्त, दार्शनिक, मार्गदर्शक, कवि, हर मुश्किल घड़ी में मेरे लिए सबसे मददगार - दरअसल, वह मेरे लिए सब कुछ थे! हमेशा अच्छे-बुरे समय में मेरे साथ रहे।

- हेमा मालिनी, अभिनेत्री

करंट अफेयर

फ्रांस में नई स्वैच्छिक सैन्य सेवा की घोषणा करेंगे मैक्रों

यूरोपीय राष्ट्रों के लिए रूस के बढ़ते खतरे को देखते हुए फ्रांस ने अपनी सैन्य क्षमताओं को बढ़ाने का फैसला किया है। इसी उद्देश्य से राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों बृहस्पतिवार को नयी राष्ट्रीय स्वैच्छिक सैन्य सेवा योजना की घोषणा करेंगे। मैक्रों के फ्रांसीसी आल्प्स में वार्स सैन्य अड्डे पर जाने से पहले राष्ट्रपति कार्यालय ने कहा कि वह 'बढ़ते खतरों के लिए राष्ट्र को तैयार करने की आवश्यकता' पर जोर देंगे। इस साल की शुरुआत में मैक्रों ने फ्रांसीसी युवाओं को स्वेच्छा से सैन्य सेवा में शामिल होने का एक नया विकल्प देने की मंशा जाहिर की थी। उल्लेखनीय है कि फ्रांस 1996 में अनिवार्य सैन्य भर्ती को समाप्त कर चुका है, और इसे दोबारा लागू करने पर विचार नहीं किया जा रहा है। मैक्रों ने कहा कि यूक्रेन में रूस के युद्ध ने यूरोपीय महाद्वीप को 'बड़े जोखिम' में डाल दिया है। उन्होंने मंगलवार को रेडियो आरटीएल को बताया, 'रूस को जिस दिन आपने कमजोरी का संकेत दिया, वह आगे बढ़ता ही रहेगा।' राष्ट्रपति ने अगले दो वर्षों में सैन्य खर्च में 6.5 अरब यूरो की अतिरिक्त वृद्धि की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि उनका लक्ष्य 2027 तक वार्षिक रक्षा खर्च को बढ़ाकर 64 अरब यूरो करना है, जो 2017 के खर्च का दोगुना होगा।

ऑफ बीट

कुत्ते खाना और खिलौने कैशिंग के लिए छुपाते हैं

क्या आपने कभी किसी कुत्ते को कंबल के नीचे, सोफे के पीछे, या घर के पिछले हिस्से में खोदे गए गड्ढे में अपना पसंदीदा खाना छुपाते हुए देखा है?

आपको लग सकता है कि वे किसी ऐसे व्यक्ति की तरह व्यवहार कर रहे होते हैं, जो प्रलय आने की आशंका से डरा हुआ हो, लेकिन कुत्ते आसन्न आपदा की चिंता में अपना खाना जमा नहीं कर रहे हैं। वे यह बता रहे हैं कि कैसे उनका विकासवादी अतीत आज भी आधुनिक व्यवहारों को आकार दे रहा है। यह दूरदर्शी रणनीति हमें एक अनोखी झलक देती है कि हम उन्हें अच्छी तरह जीने में कैसे मदद कर सकते हैं। कुत्ते भोजन, सामान और खिलौने क्यों छिपाते हैं- आपने 'कैशिंग' के बारे में सुना होगा, जिसका वैज्ञानिक अर्थ है भोजन को बाद में इस्तेमाल के लिए गुप्त स्थानों पर संग्रहित करना। यह व्यवहार गिलहरियों से लेकर कौवों और भेड़ियों तक, सभी जानवरों में व्यापक रूप से पाया जाता है। 'कैशिंग' व्यवहार सामान्यतः दो श्रेणियों में से आता है। इनमें से एक को 'लार्डर होर्डिंग' के नाम से जाना जाता है। इसे एक गिलहरी के उदाहरण से समझा जा सकता है, जो लंबी सर्दियों के दौरान एक या दो स्थानों पर मेवे जमा करके रखती है।

मौसम

अधिकतम तापमान 42.c

न्यूनतम तापमान 29.c

बाजार

सोना 7,177/ g

चांदी 96/ g

सेंसेक्स 82,530.74

निफ्टी 25,062.10

खबर संक्षेप

कार पर पलटा डंपर 7 की दर्दनाक मौत

नई दिल्ली। दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे पर शुक्रवार सुबह दर्दनाक सड़क हादसा हो गया।

इसमें 7 की दर्दनाक मौत हो गई। सहारनपुर के सैय्यद माजरा गांव का रहने वाला परिवार कार से कहीं जा रहा था। जैसे ही कार एक्सप्रेसवे पर पहुंची,तभी देहरादून की दिशा से तेज रफ्तार में खनिज से भरा डंपर कर पर पलट गया।

चिराग की तबीयत बिगड़ी, एयरपोर्ट से लौटे

पटना। लोजपा रामविलास के स्थापना दिवस के मौके पर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह केंद्रीय खाद्य

प्रसंस्करण मंत्री चिराग पासवान दिल्ली से पटना

आने के लिए दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचे लेकिन तबीयत खराब होने के कारण वापस आवास पर लौट गए। इसके बाद चिराग पासवान ने दिल्ली से ही ऑनलाइन रजत दिवस समारोह को संबोधित किया।

कनर्टिक के उडुपी में बोले प्रधानमंत्री मोदी, गीता के ज्ञान को बखाना

अत्याचारियों का अंत होना भी आवश्यक महिला सुरक्षा और सशक्तिकरण भी हो

जगद्गुरु श्री श्री सुगुनेंद्र तीर्थ स्वामीजी ने पीएम का किया अभिनंदन

प्रधानमंत्री मोदी ने कनक मंडप का दौरा करके उन्हें नमन भी किया

उडुपी जनसंघ और भाजपा के सुशासन मॉडल की कर्मभूमि

संत-दार्शनिक एवं कीर्तनकर कनकदास को पुष्पांजलि अर्पित की

राम जन्मभूमि आंदोलन में उडुपी की भूमिका को भूल नहीं सकते

संत- मुनियों से बात करते और उनका आशीर्वाद लेते प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली,

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एकदिनी कर्नाटक दौरे पर पहुंचे। यहां जगद्गुरु श्री श्री सुगुनेंद्र तीर्थ स्वामीजी ने विश्व गीता पर्याय- लक्ष्य कंठ गीता परायण में प्रधानमंत्री मोदी का अभिनंदन किया। उन्होंने ऐतिहासिक कनक मंडप का दौरा किया और 14वीं-15वीं शताब्दी के संत-दार्शनिक एवं कीर्तनकर कनकदास को पुष्पांजलि अर्पित की। उडुपी श्री कृष्ण मंदिर में भगवान श्रीकृष्ण की मूर्ति के पश्चिम की ओर मुड़ने की पौराणिक घटना का श्रेय कनकदास को दिया जाता है। राम जन्मभूमि आंदोलन में उडुपी की भूमिका को पूरा देश जानता है। उन्होंने कहा कि मंदिर आंदोलन में श्री विश्वेश तीर्थ स्वामीजी के मार्गदर्शन का ही परिणाम है कि अयोध्या में राम मंदिर के शिखर पर ध्वज फहराया गया।राम मंदिर में उडुपी के श्री माधवाचार्य को समर्पित एक विशेष द्वार है। कनक विंडो के माध्यम से उडुपी मंदिर में श्रीकृष्ण की झलक मुझे संत कवि कनकदास से जोड़ती है।

ऊर्जा अध्यात्म की शक्ति भी है

पीएम ने कहा कि हमारे समाज में मंत्रों, गीता के श्लोकों का पाठ शताब्दियों से हो रहा है पर जब एक लाख कंठ एक स्वर में इन श्लोकों का ऐसा उच्चारण करते हैं... तो ऐसी ऊर्जा निकलती है जो हमारे मन, मस्तिष्क को एक नया स्पंदन, नई शक्ति देती है। यही ऊर्जा अध्यात्म की शक्ति भी है, सामाजिक एकता की शक्ति है।

'सुवर्ण तीर्थ मंतप' का उद्घाटन

पीएम मोदी ने 'सुवर्ण तीर्थ मंतप' का उद्घाटन किया, जो भगवान कृष्ण के गर्भगृह के सामने बनाया गया है। इसके अलावा उन्होंने 'कनक कवच' भी समर्पित किया। यह कनाकाना किंदी पर स्वर्ण आवरण है, जहां से भक्त और संत कनकदास ने पहली बार भगवान कृष्ण के दर्शन किए थे।

'सबका साथ, सबका विकास' की नीति भगवान श्रीकृष्ण के श्लोकों से प्रेरित

पीएम मोदी ने कहा कि 25 नवंबर को विवाह पंचमी के पावन दिन अयोध्या के राम जन्मभूमि मंदिर में धर्म ध्वजा की स्थापना हुई है। राम मंदिर आंदोलन में उडुपी की भूमिका कितनी बड़ी है सारा देश इसे जानता है। आज हमारी 'सबका साथ, सबका विकास', 'सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय' की नीतियां भगवान श्री कृष्ण के इन श्लोकों से प्रेरित हैं। भगवान श्री कृष्ण हमें गरीबों की मदद करने का मंत्र देते हैं और इसी मंत्र की प्रेरणा आयुष्मान भारत और प्रधानमंत्री आवास योजना जैसी योजनाओं का आधार बनती है। हमें महिला सुरक्षा और महिला सशक्तिकरण का ज्ञान देते हैं।

देश ने ऑपरेशन सिंदूर की कार्रवाई में हमारा संकल्प देखा

प्रधानमंत्री ने कहा कि श्री कृष्ण ने युद्ध की भूमि पर गीता का संदेश दिया था और गीता हमें सिखाती है कि शांति और सत्य की स्थापना के लिए अत्याचारियों का अंत भी जरूरी है। हम लाल किले की प्राचीर से श्री कृष्ण की करुणा का संदेश देते हैं और मिशन सुदर्शन चक्र का भी उद्घोष करते हैं। देश ने ऑपरेशन सिंदूर की कार्रवाई में हमारा संकल्प देखा है। हम शांति स्थापित करना भी जानते हैं और रक्षा करना भी जानते हैं।

श्रीकृष्ण की शिक्षाएं हर युग में प्रासंगिक

प्रधानमंत्री ने कहा कि गीता में श्रीकृष्ण की शिक्षाएं हर युग में प्रासंगिक हैं, वे राष्ट्रीय नीति को निर्देशित करती हैं। वे गीता में हमें लोक कल्याण के लिए काम करने को कहते हैं। 'सबका साथ, सबका विकास', 'सर्वजन हिताय' जैसे नारे गीता के श्लोकों से प्रेरित हैं। गरीबों की मदद करने का गीता में दिया गया संदेश प्रधानमंत्री आवास योजना जैसी नीतियों का आधार भी यही है।

कर्नाटक में कलह, सुलह की कोशिशें

सिद्धारमैया ने शिवकुमार को नाश्ते पर बुलाया व बात करने को कहा

नई दिल्ली,

कर्नाटक में नेतृत्व को लेकर जारी अंदरूनी खींचतान के बीच सीएम सिद्धारमैया ने राजनीतिक माहौल को शांत करने की पहल की है। सीएम सिद्धारमैया ने डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार को शुक्रवार सुबह नाश्ते पर आमंत्रित किया। यह बैठक पार्टी हाईकमान के निर्देश पर हो रही है, ताकि सरकार में चल रहे मतभेदों को सुलझाया जा सके और स्थिति नियंत्रण में रखी जा सके। सिद्धारमैया ने कहा कि हाईकमान ने दोनों शीर्ष नेताओं को जल्द बातचीत कर सभी मुद्दों का समाधान निकालने का निर्देश दिया है। उन्होंने बताया कि इसी वजह से उन्होंने शिवकुमार को नाश्ते पर बुलाया है, जहां दोनों नेता सरकार से जुड़े मुद्दों पर विस्तृत चर्चा कर सकते हैं। पार्टी का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि प्रशासनिक कामकाज सुचारू रूप से चलता रहे और किसी तरह का राजनीतिक तनाव सरकार को प्रभावित न करे।

सीएम सिद्धारमैया

मैं कांग्रेस को मंदिर मानता हूं: डीके

अंदरूनी खींचतान के बीच शिवकुमार ने साफ कहा है कि वे जल्द दिल्ली जाएंगे और पार्टी के निर्देशों का पालन करेंगे। उन्होंने कांग्रेस को अपना मंदिर बताते हुए कहा कि पार्टी का लंबा इतिहास है और दिल्ली हमेशा मार्गदर्शन करती रही है। शिवकुमार ने समुदाय आधारित राजनीति से दूरी दिखाते हुए कहा कि वे सभी तबकों के लिए काम करते हैं। उनका कहना था कि वे किसी पद की मांग नहीं कर रहे, बल्कि पार्टी जो फैसला करेगी, वही मान्य होगा। उन्होंने यह भी जोड़ा कि उनकी निष्ठा पूरी तरह कांग्रेस के साथ है और वे संगठन की एकता बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं। शिवकुमार ध्यान देने वाली बात ये है कि उन्होंने कहीं भी ये बात नहीं कही कि सिद्धारमैया पूरे 5साल सीएम रहेंगे। ऐसे में और कयास लग रहे हैं कि पार्टी के भीतर कुछ तो हलचल चल रही है।

डीके शिवकुमार

ढाई साल में ही जनता परेशान, दो-फाड़ का अंदेशा

बीवाई विजयेंद्र

भाजपा के कर्नाटक अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र ने कहा कि लोगों ने कांग्रेस को बहुत उम्मीदों के साथ चुना था। लेकिन ढाई साल में ही जनता परेशान हो चुकी है। विकास रुका हुआ है, युवा निराश हैं और आपसी लड़ाई से प्रशासन लकवाग्रस्त है। किसान मुआवजे और अन्य मुद्दों पर सरकार से बड़े फैसलों की उम्मीद कर रहे हैं। डीकेबहुत आक्रामक रुख में हैं। मुझे बिल्कुल आश्चर्य नहीं होगा अगर कांग्रेस में दो गुट बन जाएं।

3 बड़ी पहलों की शुरुआत

सिंह ने मौसम संग्रहालय का किया उद्घाटन

नई दिल्ली। केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने गुरुवार को भारत मौसम विज्ञान विभाग की 3 बड़ी पहलों का उद्घाटन किया। इनमें रायपुर और मंगलुरु में दो अत्याधुनिक डॉप्लर मौसम रडार मौसम भवन में एक नई सौर ऊर्जा प्रणाली और छात्रों और युवा शिक्षार्थियों के लिए एक मौसम विज्ञान संग्रहालय शामिल हैं।

सांवलिया सेठ का भंडार सोने चांदी से भरा, 51 करोड़ चढ़ावा

करीब 2 क्विंटल चांदी तथा एक किलो सोना भी मिला

मेवाड़। यहां के सुप्रसिद्ध कृष्ण धाम श्री सांवलिया सेठ के मंदिर में पहली बार चढ़ावा राशि का नया रिकॉर्ड बना। दान पात्र से 40 करोड़ और भेंट कक्ष में 10 करोड़ से ज्यादा का चढ़ावा मिला। करीब 51 करोड़ की चढ़ावा राशि निकली। इसके अलावा करीब 2 क्विंटल चांदी तथा एक किलो सोना भी प्राप्त हुआ। सांवलिया सेठ के भंडार की गणना 6 चरण में गुरुवार को पूर्ण हुई।

आज रायपुर में जुटेंगे देशभर के पुलिस महानिदेशक

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह भी दो दिवसीय बैठक में रहेंगे शामिल

प्रधानमंत्री राष्ट्रपति पुलिस पदक करेंगे प्रदान, अफसरों को देंगे मंत्र

विकसित भारतः सुरक्षा आयाम- इस विषय पर होगा मंथन

नई दिल्ली,

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रायपुर स्थित भारतीय प्रबंधन संस्थान, रायपुर में 60वें अखिल भारतीय डीजीपी/आईजीपी सम्मेलन में भाग लेंगे। यह सम्मेलन 29 से 30 नवंबर तक चलेगा। इसका उद्देश्य अब तक पुलिसिंग से जुड़े बड़े चुनौतियों पर हुई प्रगति की समीक्षा करना और 'सुरक्षित भारत' का रोडमैप तैयार करना है। इस वर्ष सम्मेलन का मुख्य विषय रखा गया है'विकसित भारतः सुरक्षा आयाम'। सम्मेलन में जिन प्रमुख मुद्दों पर चर्चा होगी, उनमें वामपंथी उग्रवाद (नक्सलवाद), आतंकवाद-रोधी रणनीतियां, आपदा प्रबंधन, महिला सुरक्षा, फॉरेंसिक विज्ञान और आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस का उपयोग। प्रधानमंत्री इस अवसर पर राष्ट्रपति के पुलिस पदक भी प्रदान करेंगे।

यह सम्मेलन देशभर के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों और सुरक्षा प्रशासन से जुड़े प्रतिनिधियों के लिए एक अहम मंच है, जहां वे राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर खुलकर चर्चा कर सकते हैं। इसके माध्यम से पुलिस बलों की कार्यस्थितियों, उनकी जरूरतों, आधुनिक तकनीक के उपयोग और कानून-व्यवस्था से जुड़ी चुनौतियों पर विचार-विमर्श किया जाता है। पीएम मोदी 2014 से लगातार इसके प्रारूप को आधुनिक और बेहतर बनाने पर जोर दिया है।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा०) धौरपुर, जिला–सरगुजा

ईश्तहार

आवेदक सोलू आ० कल्पु उम्र लगभग 30 वर्ष, निवासी बेवारापारा, ग्राम सुमेरपुर, तहसील- लुण्ड्रा (धौरपुर) जिला- सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन मय सुसंगत दस्तावेज के साथ अवगत कराया है कि उसके स्वत्व एवं आधिपत्य की ग्राम सुमेरपुर प०ह०नं० 19 में खसरा क्रमांक क्रमशः 313/156, 313/157, 313/158, 313/155, 108/4, 202/3. 191 रकबा क्रमशः 0.1680, 0.2630, 0.104, 0.1580, 0.0730, 0.1700, 0.0730 हे0 स्थित है। जिस पर आवेदक सन- 1955-56 से काबिज काश्त हो चला आ रहा है। जिसके भूमि के राजस्व अभिलेख नमूना 6 ग से साथ बी-1 अवलोकनार्थ संलग्न किया गया है। आवेदक को उक्त भूमि उसके पूर्वजों से प्राप्त हुई थी, जो त्रुटिवश राजस्व अभिलेख से शासन से प्राप्त भूमि अंकित हो गया है। जिस संबंध में आवेदक शासन के विद्यमान योजनाओं का लाभ प्राप्त नहीं कर पा रहा है। आवेदक के द्वारा उक्त त्रुटि को राजस्व अभिलेखों से सुधार किये जाने का निवेदन किया गया है अतः उक्त संबंध में किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो निर्धारित सुनवाई तिथि 10/12/2025 को मेरे न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर लिखित रूप से दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 28/11/2025. को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी
(रा०) धौरपुर

कामण- भेंडीपाड़ा में अवैध देसी शराब के भट्टी पर गुन्हे शाखा कक्ष-2 की टीम ने लाखों का सामान बरामद करके किया नष्ट किया

वसई ।वसई के कामण-भेंडीपाड़ा में गुन्हे शाखा कक्ष-2 वसई ने सोमवार को छापेमारी करके एक बड़े अवैध शराब निर्माण केंद्र का भंडाफोड़ किया। कार्रवाई में लाखों रुपये का अवैध रसायन और भट्टी का सामान नष्ट किया गया है ।गुन्हे शाखा कक्ष-2 वसई को सूत्रों के माध्यम से सूचना मिली थी कि अंकुश हरी गोवारी नामक व्यक्ति मोरीगांव स्थित आम के बगीचे में अवैध देसी शराब तैयार कर रहा है ।26 नवंबर 2025 को पुलिस की टीम ने छापेमारी में करके लगभग 3,000 लीटर देसी शराब बनाने में उपयोग होने वाला खराब रसायन, तथा हाथभट्टी से शराब तैयार करने के उपकरण, कुल ?2,32,500 मूल्य का सामान जब्त कर मौके पर ही नष्ट किया गया। आरोपी के खिलाफ नायगांव पुलिस स्टेशन में गु.र.नं. 648/2025 महाराष्ट्र दारूबंदी अधिनियम, 1949 की धारा 65 (ब), (क), (ड), (फ) के तहत मामला दर्ज किया गया है। वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में हुई कार्रवाई ,यह कार्रवाई,निकेत कौशिक (पुलिस आयुक्त),दत्तात्रय शिंदे (अपर पुलिस आयुक्त),संदीप डोईफोडे (उप आयुक्त - गुन्हे), मदन बल्लाळ (सहायक पुलिस आयुक्त - गुन्हे) के मार्गदर्शन में की गई। ऑपरेशन को सफल बनाने में पुलिस निरीक्षक अविराज कुराडे, सहा. पुलिस निरीक्षक सोपान पाटील, पुलिस उपनिरीक्षक संतोष घाडगे, अजित गीते, तथा सहा. फौज और पोहवा की टीम संजय नवले, मुकेश पवार, रविंद्र पवार, मनोज मोरे, चंदन मोरे, प्रफुल्ल पाटील, प्रशांतकुमार ठाकुर, सचिन पाटील, जगदीश गोवारी, और अन्य स्टाफ ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

शिक्षा मंत्रालय और आईआईटी मद्रास ने उठाया महत्वपूर्ण कदम

उत्तर प्रदेश के हिंदी भाषी विद्यार्थी बनारस में सीखेंगे तमिल

तमिलनाडु के 50 शिक्षक और विद्वान बच्चों को देंगे शिक्षा

नई दिल्ली,

पीएम नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी के हिंदी भाषी स्कूली छात्र तमिल भाषा सीखेंगे। दो दिसंबर से तमिलनाडु के 50 शिक्षक और विद्वान स्थानीय स्कूलों के बच्चों को तमिल भाषा में अपनी संस्कृति, खानपान, भारत की दो प्राचीन परंपराओं (काशी-तमिल) से रूबरू करवाएंगे। इसका मकसद, छात्रों में सांस्कृतिक जुड़ाव और सभी भाषाओं का सम्मान समेत तमिल में आम बोलचाल सीखाना है। यह केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय और आईआईटी मद्रास की पहल है।

2 दिसंबर से काशी-तमिल से होंगे रूबरू

काशी तमिल संगमम में हिस्सा लेने छात्रों का पहला समूह काशी पहुंचा

7 श्रेणियों में 1400 से अधिक प्रतिनिधि

तमिलनाडु से सात श्रेणियों में 1400 सदस्यीय प्रतिनिधि दल आ रहा है। इसमें छात्र शिक्षक, लेखक, कृषि व संबद्ध क्षेत्र, पेशेवर व कारीगर, महिलाएं और आध्यात्मिक विद्वान शामिल हैं।

प्रयागराज, अयोध्या के करेंगे दर्शन

8 दिनी अनुभवात्मक दौरे के दौरान तमिलनाडु से आने वाला दल वाराणसी के बाद प्रयागराज और अयोध्या में भगवान श्रीराम के दर्शन करने भी जाएगा। तमिल धरोहर स्थलों में महाकवि सुब्रमण्यम भरतियार का पैतृक निवास, केदार घाट, लघु तमिलनाडु क्षेत्र में स्थित काशी मदम, श्री काशी विश्वनाथ मंदिर अहम हैं।

संबंधों का सम्मान और यह एक भारत श्रेष्ठ भारत की झलक दिखेगी

प्रधानमंत्री के विजन के तहत केटीएस में दोनों क्षेत्रों के बीच सभ्यतागत, सांस्कृतिक, भाषाई और लोगों के बीच संबंधों का सम्मान और यह एक भारत श्रेष्ठ भारत की भावना को दर्शाता है। सीखने के आदान-प्रदान, अकादमिक चर्चा और युवा भागीदारी के माध्यम से जुड़ाव को और बढ़ाना है। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय, आईआईटी मद्रास और बीएचयू वाराणसी मिलकर आयोजन कर रहे हैं।

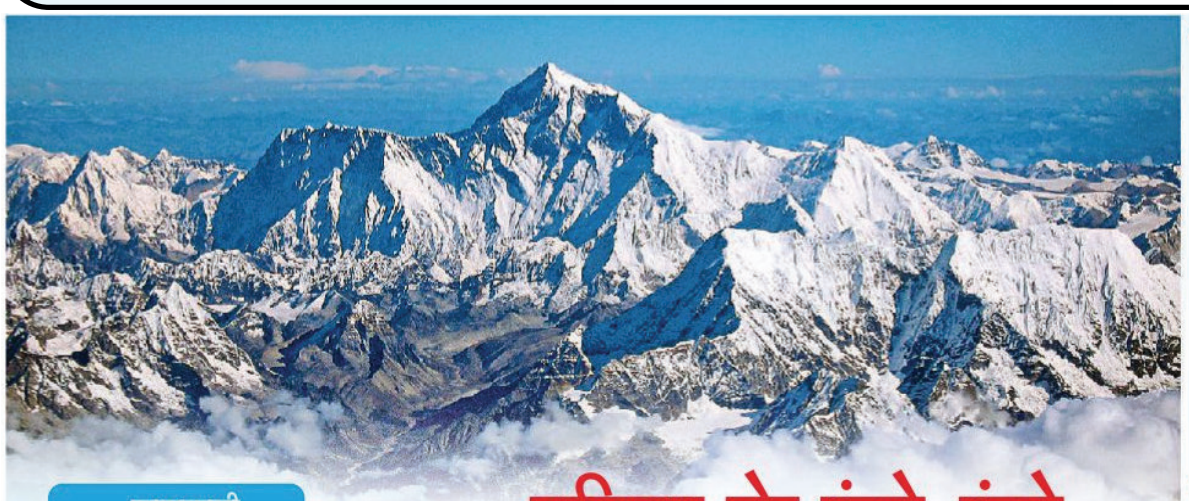

बच्चो, पहाड़ यानी माउंटेन हमारी पृथ्वी पर मौजूद विशाल, प्राकृतिक रूप से उठी हुई भौगोलिक संरचना होती है। ये हजारों लाखों साल से स्थिर खड़े हैं। दुनिया में एक से बढ़कर एक ऊंचे और खूबसूरत पहाड़ मौजूद हैं। जानो ऐसे ही कुछ खूबसूरत-ऊंचे पहाड़ों और पर्वत चोटियों के बारे में।

दुनिया के ऊंचे-ऊंचे खूबसूरत पर्वत-शिखर

जानकारी
शिखर चंद जैन

बच्चो, आसमान को चूमते, बादलों को सहलाते हुए से ऊंचे-ऊंचे पहाड़ बहुत खूबसूरत ही नहीं आश्चर्यजनक भी लगते हैं। इनके बर्फीले शिखर, हरी-भरी वादियों से सजी चढ़ाई और बेशुमार पेड़-पौधों से ढंकी घाटियां, हर किसी का मन मोह लेती हैं। यहां तुम्हें दुनिया के कुछ खूबसूरत-ऊंचे पर्वत शिखरों के बारे में बता रहे हैं।

सर्वोच्च पर्वत शिखर माउंट एवरेस्ट, हिमालयः माउंट एवरेस्ट दुनिया का सबसे ऊंचा पर्वत शिखर है। इसकी ऊंचाई लगभग 8,848.86 मीटर (29,031.7 फीट) है। नेपाल और चीन की सीमा पर स्थित हिमालय के इस पर्वत शिखर को 'पृथ्वी का तीसरा ध्रुव' भी कहा जाता है। माउंट एवरेस्ट हिमालय पर्वत श्रंखला का हिस्सा है। इसे नेपाली में 'सागरमाथा' कहते हैं, जिसका अर्थ 'आकाश की देवी' है। तिब्बती भाषा में इसे 'चोमोलुंगमा' नाम से पुकारा जाता है, जिसका अर्थ है 'विश्व की देवी मां'। इसकी बर्फ से ढंकी चोटियां सूरज की रोशनी में जब चमकती हैं तो दूर से देखने पर किसी रत्नजड़ित सफेद मुकुट-सी दिखती हैं। अपनी ऊंचाई और खूबसूरती के कारण माउंट एवरेस्ट पर्यटकों और पर्वतारोहियों के आकर्षण का केंद्र हमेशा से रहा है।

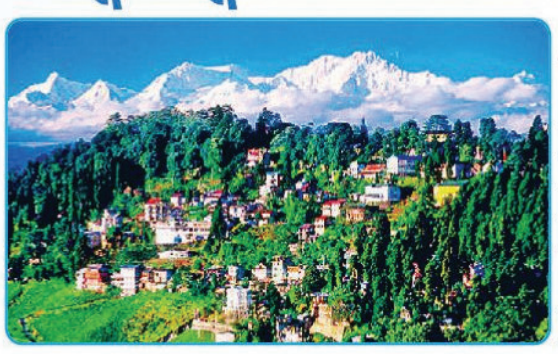

भारत की सर्वोच्च और दुनिया की तीसरी सबसे ऊंची पर्वत चोटी कंचनजंगा

खतरनाक चढ़ाई वाला के2-गॉडविन ऑस्टेन, काराकोरमः पाकिस्तान और चीन की सीमा पर स्थित के2 दुनिया की दूसरी सबसे ऊंची पर्वत चोटी है। इसकी ऊंचाई लगभग 8,611 मीटर (28,251 फीट) है। यह अपनी सुंदरता के लिए जितना जाना जाता है, उतना ही अपनी खतरनाक चढ़ाई के लिए भी। इसे 'सेवेज माउंटेन' भी कहा जाता है। के2 की चोटी एक पिरामिड जैसी दिखती है और यह काराकोरम रेंज में स्थित है। इसके चारों ओर ग्लेशियर और बंजर जमीन का नजारा इसे दुनिया के अन्य पर्वत श्रंखलाओं से अलग रूप प्रदान करता है। पाकिस्तान में विशाल बाल्टोरो ग्लेशियर पर चढ़कर इसके आधार तक पहुंचने के क्रम में यह कई मील दूर से दिखाई देता है। जैसे-जैसे पर्वतारोही इसके करीब पहुंचते हैं, यह पर्वत और भी अद्भुत और खूबसूरत नजर आता है।

आसान नहीं के2-गॉडविन ऑस्टेन पर चढ़ाई करना

भारत की सर्वोच्च पर्वत चोटी कंचनजंगा, हिमालयः भारत और नेपाल की सीमा पर स्थित कंचनजंगा भारत की सबसे ऊंची पर्वत चोटी और दुनिया की तीसरी सबसे ऊंची चोटी है। इसकी ऊंचाई लगभग 8,586 मीटर (28,169 फीट) है। इसका नाम तिब्बती मूल के चार शब्दों 'कांग-चेन-जो-नगा' से मिलकर बना है, जिसका अर्थ है 'महान हिम की पांच निधियां।' ऐसा माना जाता है कि इसमें सोना, चांदी, रत्न, अनाज और पवित्र पुस्तकें छिपी हुई हैं। यह पहाड़ अपनी बदलती रंगत के लिए जाना जाता है, सुबह और शाम के समय, सूरज की किरणें इसकी चोटियों को गुलाबी, नारंगी और सुनहरे रंगों से रंग देती हैं, जो देखने में बहुत ही जादुई लगता है।

पिरामिड जैसा पहाड़ मैटरहॉर्न, आल्प्सः स्विट्जरलैंड और इटली की सीमा पर स्थित मैटरहॉर्न, आल्प्स पर्वत का एक हिस्सा है। इसकी ऊंचाई लगभग 4,478 मीटर (14,692 फीट) है। इसकी चोटी एक नुकीले पिरामिड की तरह दिखती है, बिल्कुल वैसा ही जैसा तुम बच्चे ड्रॉइंग में माउंटेन बनाते हो। इसकी आकृति चारों तरफ से पिरामिड की तरह ही दिखती है, जो इसे और भी अट्रैक्टिव बनाता है। स्विट्जरलैंड के जर्मेट गांव से अगर इस पहाड़ को देखा जाए तो इसका नजारा किसी पहाड़ की पेंटिंग जैसा खूबसूरत लगता है। इसकी खूबसूरती को देखने दुनिया भर के पर्यटक और प्रकृतिप्रेमी इसके करीब आते हैं।

अत्यधिक खूबसूरत नजर आता है मैटरहॉर्न

सुप्त ज्वालामुखी पर्वत किलिमंजारोः तंजानिया में स्थित किलिमंजारो की ऊंचाई लगभग 5,895 मीटर (19,341 फीट) है। यह अफ्रीका का सबसे ऊंचा पर्वत है, जो वास्तव में एक विशाल सुप्त ज्वालामुखी है। इसकी चोटी पर हमेशा बर्फ जमी रहती है। यह अपनी चोटी पर मौजूद ग्लेशियरों के लिए प्रसिद्ध है, जबकि इसके चारों ओर गर्म अफ्रीकी मैदान हैं। हेलीकॉप्टर से किलिमंजारो के क्रेटर (ज्वालामुखी का मुंह) और ग्लेशियरों का नजारा बेहद खूबसूरत दिखता है। *

अफ्रीका का सर्वोच्च पर्वत किलिमंजारो

टियरगार्टन शॉनब्रुन जू, ऑस्ट्रिया

कैसे होते थे दुनिया के शुरुआती चिड़ियाघर

बच्चो, जू यानी चिड़ियाघर एक ऐसी जगह होती है, जहां तुम एक ही बाउंड्री के भीतर तरह-तरह के एनिमल्स और बर्ड्स देख सकते हो। क्या तुम जानते हो कि दुनिया का पहला जू कैसा था या शुरुआती चिड़ियाघर कैसे होते थे?

रोचक
नयनतारा

बच्चो, अगर तुम्हें वाइल्ड लाइफ यानी जंगली जीव-जंतुओं को देखने, उनके बारे में जानने में इंटरेस्ट है तो तुम अपने शहर या आस-पास के किसी शहर में जू यानी चिड़ियाघर जरूर घूमने गए होगे। जू में तुम ऐसे अनेक जंगली और दुर्लभ जानवरों को एकदम सामने से देख सकते हो, जिन्हें तुमने किताबों में या टीवी पर देखा होगा। लेकिन क्या तुम जानते हो दुनिया में इस तरह जू बनाने की शुरुआत कब और किसने की थी? आओ इस बारे में जानते हैं।

पहला जू था-इंटेलिजेंस पार्कः बच्चो, लगभग 3000 साल पहले एक चीनी बादशाह अपने राज्य में एक स्थान पर कई तरह के जानवरों को रखता था, जिसे वह 'इंटेलिजेंस पार्क' कहता था। उस चीनी राजा के कलेक्शन में जीवित जानवर ही थे या मृत, इसका प्रमाण नहीं मिलता है। ज्यादातर लोगों का यही मानना है कि वह राजा, जानवरों का अध्ययन करने के लिए और उनकी आदतें जानने के लिए उनको पालता था। इस लिहाज से देखा जाए तो शायद वही संसार का पहला जू था। आज भी जू में वाइल्ड एनिमल्स, बर्ड्स व रेप्टाइल्स (रेंगने वाले जीव) रखे जाते हैं, ताकि लोग उन्हें देखें-जानें और वैज्ञानिक उनका अध्ययन कर सकें।

मनोरंजन का साधन थे पर्सनल जूः समय बीतने के साथ गांव और शहर बड़े होते गए तो कुछ लोग जंगली जानवरों का शिकार कर या उन्हें कैदकर अपने घरों में लाकर रखते थे। लोग जंगली जानवरों को अकसर अपने पास पालते थे ताकि दिखाया जा सके कि वह कितने रईस और शक्तिशाली हैं। ऐसे लोग कभी-कभार लोगों को परमिशन देते थे ताकि लोग आकर उनके जानवरों का कलेक्शन देख सकें।

पब्लिक जू बनाने की शुरुआतः यूरोप में 9वीं शताब्दी की शुरुआत से ही पब्लिक जू बनने लगे थे। अगले 700 से 800 वर्षों के दौरान संसार के बड़े शहरों में कई सारे पब्लिक जू का निर्माण किया गया। वैसे, ऑस्ट्रिया के वियना में स्थित टियरगार्टन शॉनब्रुन को दुनिया का पहला आधुनिक चिड़ियाघर माना जाता है। यूनेस्को के विश्व धरोहर सूची में शामिल यह चिड़ियाघर आज भी संचालित है। जहां तक संसार के सबसे बड़े और मशहूर चिड़ियाघरों की बात है तो इनमें टोरंटो जू (कनाडा), मॉस्को जू (रूस), सैन डिएगो जू (यूएसए), लंदन जू (इंग्लैंड), वेस्ट बर्लिन जू (जर्मनी) आदि शामिल हैं। *

तुम्हारे लिए नई किताब / विज्ञान भूषण

समझदार बनाती कहानियां

नन्हे-मुन्नों के लिए कहानी
पुष्पा अंताणी

बच्चो, हाल में बाल कहानियों की एक किताब 'बाल सभा पार्क एवं अन्य बाल कहानियां' छपकर आई है। इसमें कुल जमा 27 कहानियां हैं। ये कहानियां हैं तो छोटी लेकिन इसमें तुम्हें समझदार इंसान बनने के लिए सरल ढंग से कई बड़ी बातें सीखने को मिल सकती हैं। किताब की शीर्षक कहानी 'बाल सभा पार्क' में तुम पढ़ोगे कि कैसे समझदार बच्चा अनुभव, अपनी युक्ति से कॉलोनी के पार्क को साफ-सुथरा करके खेलने योग्य बना देता है। 'ऐसे उतरा रील का भूत' में टिंकू की रील बनाने की आदत कैसे छूटती है, यह पढ़ सकते हो तो 'इम्यूनिटी से मुलाकात' में तुम पढ़ोगे कि अवि को कैसे समझ में आता है कि इम्यूनिटी मजबूत बनाने के लिए क्या करना चाहिए? इसी तरह संग्रह की अन्य कहानियां पढ़कर तुमको यह भी महसूस होगा कि भले ही तुम अभी छोटे हो लेकिन अगर चाहो और सही दिशा में प्रयास करो तो बड़े बदलाव ला सकते हो। साथ ही दूसरों को भी ऐसा करने के लिए प्रेरित कर सकते हो। *

किताब : बाल सभा पार्क एवं अन्य बाल कहानियां, **लेखक :** शिखर चंद जैन, **मूल्य :** 300 रुपए, **प्रकाशक :** प्रखर गूंज पब्लिकेशन, दिल्ली

जहाज में सवारी

टिंकू ने घर में टंगी एक तस्वीर में समंदर में चलने वाला पानी का जहाज देखा। उसका मन हुआ, वह समुद्री जहाज में बैठकर सैर करे। टिंकू ने तुरंत समुद्री जहाज की व्यवस्था की। उसने स्वयं तो सैर की ही, अपने खिलौनों को भी सैर कराई। बच्चो, है ना अजीब बात! टिंकू के घर में कहां से आ गया समुद्र और समुद्री जहाज?

नन्हा-सा टिंकू अपनी मम्मी के पास बैठकर दूध पी रहा था। उसकी नजर दीवार पर टंगी एक तस्वीर पर पड़ी। दूध का घूंट पीते हुए उसने तस्वीर की ओर इशारा करते हुए पूछा, 'मम्मी, यह क्या है?'

'यह पानी का जहाज है।' मम्मी ने बताया। 'मम्मी, क्या पानी का जहाज समंदर में चलता है?' टिंकू ने पूछा।

'हां, बेटा।' मम्मी बोलीं।

'मुझे समंदर बहुत पसंद है, मम्मी। मुझे जहाज में बैठना है।' टिंकू मचलते हुए बोला। 'बेटा, तुम अभी बहुत छोटे हो, बड़े हो जाओ तब जहाज में बैठना।' मम्मी ने दूध का गिलास नीचे रखते हुए समझाया। 'मम्मी, क्या बड़ा होने में ज्यादा समय लगता है?' टिंकू ने नया सवाल किया। 'नहीं रे, तुम तो अच्छे बच्चे की तरह दूध पी लेते हो। तुम जल्दी बड़े हो जाओगे। अब जाओ, अपने खिलौनों से खेलो।' मम्मी टिंकू के गाल पर प्यार से चपत मारते हुए बोलीं। टिंकू ने प्लास्टिक की थैली से अपने सारे खिलौने बाहर निकाले। उसके पापा कल ही छोटे-छोटे खिलौने लाए थे। तोता, चिड़िया, बंदर, मोर, बाघ, जिराफ, गैंडा, शेर जैसे कई जानवर और पक्षी थे। टिंकू खुशी से अपने इन नए दोस्तों को देख रहा था। उसे लगा कि वे सब उसे कह रहे हैं, 'हमें जहाज में बैठना है।' सबका एक साथ शोर सुनाई दिया। टिंकू अपने कानों पर हाथ रखते हुए बोला, 'शांत हो जाओ सब! मैं तुम सबको जहाज में बिठाऊंगा।' तभी दादाजी सैर करके घर में आए। टिंकू उनके पास भागकर आया। दादाजी के हाथ में एक बड़ा कागज देते हुए बोला, 'दादाजी, इस कागज से मेरे लिए एक बड़ी-सी बोट बना दो ना! बहुत बड़ी बोट।' दादाजी बोट बनाने लगे। टिंकू बाथरूम में गया, वहां से एक टब ले आया। उसमें पानी भरा। दादाजी ने बोट बनाकर टिंकू को दे दी। टिंकू ने बोट अपने खिलौनों को दिखाई। 'देखो, यह है हमारा जहाज।' उसने खिलौनों को टब में भरा पानी दिखाया और बोला, 'यहां है समंदर... चलो, सब तैयार हो जाओ। मैं तुम सब को जहाज में घुमाने ले जाऊंगा। रास्ते में खाने के लिए नाश्ता भी ले आता हूं।'

टिंकू मम्मी के पास जाकर सेव, मुरमुरे, चॉकलेट, बिस्कुट, बेर वगैरह ले आया। सब कुछ नाश्ते के डिब्बे में रख दिया फिर बोट को टब के पानी में उतारा। उसमें सब खिलौने को अच्छी तरह से बैठा दिया। टिंकू अपनी एक अंगुली से कागज की बोट को हल्का-हल्का धक्का मारने लगा। टब के पानी में गोल-गोल घुमाने लगा। टिंकू को लगा कि उसके सब दोस्त बहुत खुश हैं, नाच रहे हैं। उसने टब को थोड़ा धक्का मारा। पानी थोड़ा उछला। खिलौने भी एक-दूसरे पर गिरे। टिंकू ने खिलौनों को सावधान किया, 'शरारत मत करो। अभी समंदर थोड़ा तूफानी है। सब अपनी जगह बैठे रहो।'

टिंकू को लगा कि उसकी बात सुनकर सब खिलौने जरूरत से ज्यादा शांत हो गए हैं। इसलिए वह बोला, 'अब डरने की कोई बात नहीं है। समंदर शांत हो गया है।' सब खुश हो गए। टिंकू ने बोट के छह-सात चक्कर लगाने के बाद उसे रोक दिया और बोला, 'तुम सबको भूख लगी होगी ना, चलो, थोड़ा नाश्ता खा लो।'

टिंकू ने सब खिलौने बोट से बाहर निकाले और बोला, 'संभल कर उतरना, किसी का पैर फिसला तो सीधे समंदर में गिरोगे। यहां समंदर काफी गहरा है।' टिंकू ने सभी खिलौने के सामने नाश्ता रखा। उसने भी नाश्ता किया। थोड़ी देर सब ने आराम किया। फिर टिंकू बोला, 'चलो, अब वापस लौटने का समय हो गया है।' सभी दोस्तों को फिर से बोट में बिठा दिया। बोट को उल्टी दिशा में चलाने लगा। थोड़े चक्कर लगाने के बाद वह बोला, 'वापस आ गए।' टिंकू ने देखा कि उसके सब दोस्त बहुत खुश हैं। हर कोई मानो उसे कह रहा हो, 'वाह, टिंकू भैया! जहाज में बैठने और घूमने में बड़ा मजा आया। आपका बहुत-बहुत धन्यवाद!'

टिंकू सारे खिलौनों को प्लास्टिक की थैली में वापस डालते हुए बोला, 'जब मैं बड़ा हो जाऊंगा, तब एक बड़े और सचमुच के जहाज में बैठूंगा और बड़े समंदर में घूमने जाऊंगा।' टिंकू आज बहुत खुश था। *

गुजराती से अनुवादः सेतु अंताणी

कविता / गिरिजा कुलश्रेष्ठ

मोती ये कैसे हैं

बड़े सबेरे मुनियां रानी
मां को लगी जगाने।
देखो हरी घास पर बिखरे
मोती बड़े सुहाने।
मां ये मोती कितने सुंदर,
चमचम चमक रहे हैं।
सूरज की लाली में कैसे,
दमदम दमक रहे हैं।
रातों-रात भला किसने,
ये मोती यूं बिखराए।
इससे पहले कोई और
इन्हें चुनकर ले जाए,
मैं ही चुन लूं क्यों न इन्हें
मां, अपना हार बनाने,
गुड़िया को भी माला कंगन,
बना-बना पहनाने।
कुछ तुम भी अपनी चुनरी में
टांक सजा लेना मां,
जूड़े की पिन में ये मोती
खूब लगा लेना मां।
मुनियां मोती चुनने आई,
हंस कर और हुलस कर।
पर मोती कैसे थे जो,
छूते ही गिरे पिघल कर।

बूझो तो जानें

1 घर की रखवाली करता है,
वफादार कहलाता।
है मशहूर नींद इसकी तो,
देखे कौन बताता।।

2 गोलमटोल मगर छोटा सिर,
रंग है हल्का पीला।
काले धब्बे दिखते तन पर,
लेकिन खूब सजीला।।

3 'मामा' कहकर इसे बुलाते,
रंग सुनहरा भूरा।
पेड़ों की डाली पर बैठा,
करता सबको घूरा।।

- डॉ. घमंडीलाल अग्रवाल

उत्तर: 1.कुत्ता, 2.चीता, 3. बंदर

जीके क्विज-181

1. वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप फाइनल में पहला स्वर्ण पदक किस भारतीय खिलाड़ी ने जीता?
2. मिस यूनिवर्स-2025 का खिताब किसने जीता?
3. एशियाई विकास बैंक का मुख्यालय किस देश में स्थित है?
4. बटरपलाई शब्द का संबंध किस खेल से है?
5. कौन-सा रंग रेनबो के बीच में दिखाई देता है?
6. जीवाणु (बैक्टीरिया) की खोज किसने की थी?
7. कंचनजंघा राष्ट्रीय उद्यान किस राज्य में स्थित है?
8. 'लोकनायक' के नाम से किसे जाना जाता है?
9. बल का मात्रक क्या है?
10. भारत का दक्षिणतम बिंदु किस नाम से जाना जाता है?

बच्चो, जीके क्विज-181 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे।

जीके क्विज-180 का उत्तर : 1.डेविड स्जेले, 2.नई दिल्ली, 3.नीतीश कुमार, 4.लखनऊ, 5.लॉर्ड डलहौजी, 6.नारायण पंडित, 7.विटामिन-ए, 8.सूर्य, 9.इंफाल, 10.तमिलनाडु

जीके क्विज-180 का सही उत्तर देने वाले : कबीर-हिसार, ओमदेव-मुंगेली, मान्या-दिल्ली, रमेश-बैकुंठपुर, दीपक-ईमेल से, हितेश-रायपुर, सौरभ-बिलासपुर, आंचल-दुर्ग, रोहन-महेंद्रगढ़, अंकित-रोहतक, आकाश-राजनांदगांव

रंग भरो-190

रंग भरो-190 में दिए गए चित्र को तुम लोगों ने बहुत अच्छे से रंगकर हमें भेजा। उनमें से चुना गया सबसे अच्छा चित्र हम यहां प्रकाशित कर रहे हैं। उसे रंगकर भेजने वाले बच्चे के चित्र के साथ कुछ अन्य बच्चों के नाम और चित्र भी प्रकाशित कर रहे हैं।

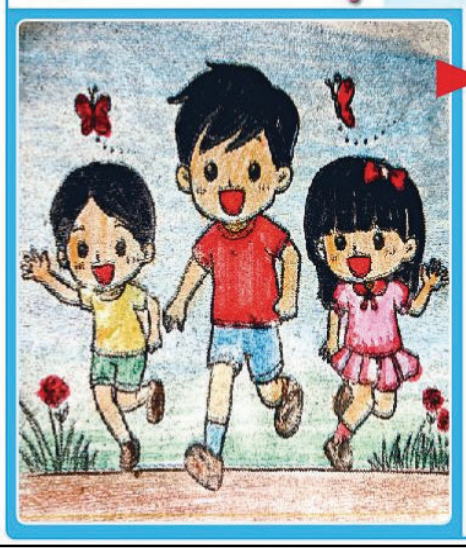

रितेश, मटियारी

आशना, जांजगीर

भव्य, धमतरी

माही, महासमुंद

फरहान, धमतरी

काव्या, रायपुर

इनके भी चित्र रहे प्रशंसनीय

आद्या-उमरिया, प्रियंका-रायपुर, प्रवीण-भोपाल, किशुक-रोहतक, लोकेश-जबलपुर, नीरज-महासमुंद, यश-रायगढ़, खुशी-भिवानी, रोशन-जांजगीर, कविता-कटनी, हितेश-दिल्ली, राकेश-धमतरी, अंकित-गुना, तुषार-करनाल, अमन-बिलासपुर, आकाश-कोरबा

रंग भरो 191

बच्चो, यहां पेंटिंग बना रही लड़की टीना का एक ब्लैक एंड व्हाइट चित्र दिया गया है। तुम इस चित्र को मनचाहे रंगों से रंग कर हमें भेजो। जिस बच्चे का चित्र सर्वश्रेष्ठ होगा, उसे हम बालभूमि में प्रकाशित करेंगे। चित्र के साथ अपनी फोटो, अपना और शहर का नाम हमें इस पते पर भेजो- संपादक - फीचर, हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सेंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली- 110035 या ई-मेल आईडी balbhoomi-hb@gmail.com पर मेल करो।

नए आपराधिक कानूनों की प्रदर्शनी में युवाओं व छात्रों का दिख रहा खासा उत्साह

बारीकियों को नजदीक से समझकर बढ़ा रहे कानूनों के प्रति ज्ञान

छ.ग.फ्रंटलाइन सूरजपुर। यहां कोतवाली परिसर में एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर के मार्गदर्शन में नए आपराधिक कानूनों की प्रर्दशनी का आयोजन किया गया है। जिसमें तीनों नए कानूनों के बारे में सम्पूर्ण जानकारियों को समाहित कर प्रदर्शनी लगाई गई है। इस प्रदर्शनी में नए कानूनों की बारीकियों को जानने नागरिकों, युवाओं व छात्राओं का खासा उत्साह देखा गया और अपने अनुभवों को साझा किया। स्कूली बच्चों के द्वारा नुक्कड़ नाटक के माध्यम से नए कानूनों की शानदार प्रस्तुती दी। शनिवार को डीएव्ही पब्लिक स्कूल भटगांव, कन्या महाविद्यालय सूरजपुर, जवाहर नवोदय विद्यालय बसदेई, एकलव्य विद्यालय शिवप्रसादनगर, अरूणोदय कोचिंग सेंटर के छात्र-छात्राओं ने पुलिस के नए आपराधिक कानूनों की प्रदर्शनी का लाभ उठाया। इस दौरान वहां मौजूद पुलिस अधिकारियों के द्वारा छात्रों को पुराने एवं नए कानूनों के प्रावधानों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। अपराध विवेचना में आधुनिक तकनीक और डिजिटल साक्ष्यों की उपयोगिता को परिभाषित कर बताया गया। प्रदर्शनी देखने आए छात्रों ने नए कानूनों की प्रर्दशनी में अपने अनुभव को साझा कर बताया कि हमें आज पुलिस के इस आयोजन में नए कानूनों को जानने के लिए हमें अच्छा अवसर प्रदान किया है। हमने आज कानून की बारीकियो को समझा है और दूसरों को भी नए आपराधिक कानूनों के बारे में जानकारी देकर जागरूक करेंगे।

बच्चो ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से नए कानूनों के प्रति की जागरूक

सूरजपुर पुलिस द्वारा आयोजित इस प्रदर्शनी में डीएव्ही पब्लिक स्कूल भटगांव के छात्र आर्या सिंह, आलिया रिजवी, सिंवागी सिंह, अंशिका सिंह, अर्जुन, लालचंद, शाहिद रजा, वरदान सिंह, आध्या पाण्डेय, एकता सिंह की टीम ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से नए कानूनों के बारे में उपस्थित युवाओं व लोगों को जागरूक किया। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से विद्यार्थियों ने नए कानूनों की प्रमुख विशेषताओं और उनके नागरिक जीवन पर पड़ने वाले प्रभावों को विस्तार से समझाया। इसमें जीरो एफआईआर का प्रावधान, 90 दिन के भीतर आरोप पत्र दाखिल करना और फास्ट ट्रैक कोर्ट की स्थापना जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर प्रकाश डाला गया। इस प्रस्तुति ने सरकार द्वारा आम आदमी को सुलभ न्याय दिलाने के प्रयासों को उजागर किया। डिजिटल साक्ष्य को भी इन कानूनों में महत्वपूर्ण आधार बनाया गया है, जिससे अब इन्हें प्रमाण के तौर पर उपयोग किया जा सकेगा। नुक्कड़ नाटक टीम ने अपने प्रस्तुती में मारपीट, चोरी, ऑनलाईन फ्राड, धोखाधड़ी सहित अन्य नए धाराओं के बारे में जानकारी देते हुए गलत काम नो चान्स, जागरूक नागरिक भूलो मत का नारा दिया। इस अवसर पर यातायात प्रभारी बृजकिशोर पाण्डेय, चौकी प्रभारी करंजी संतोष सिंह, चौकी प्रभारी उमेश्वरपुर संजय सिंह यादव, चौकी प्रभारी बसदेई योगेन्द्र जायसवाल, चौकी प्रभारी खड़गवां रघुवंश सिंह, एएसआई बबीता यादव, कुसुमकांता लकड़ा, शिक्षक महेश निषाद सहित पुलिस के अन्य अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

जरूरतमंदों को वरिष्ठ नागरिक संघ ने उपलब्ध कराया गर्म वस्त्र

छ.ग.फ्रंटलाइन सूरजपुर। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी वरिष्ठ नागरिक संघ द्वारा जिले के विकास खण्ड प्रेमनगर के सुदूर वनांचल क्षेत्र ग्राम टाकर मे कडकडाते ठण्ड से राहत देने जरूरतमंदों को कम्बल, शाल, स्वेटर, बच्चो को मोजा, टोपे का वितरण किया गया। ग्राम टाकर के अलावा आस पास के गांवों से भी ग्रामीण शामिल रहे। इस दौरान दो सौ महिलाओ, 150 पुरुषो एवं सौ बच्चो को जरूरत के मुताबिक गर्म वस्त्र उपलब्ध कराए गए। संघ के प्रवक्ता एस.के. तिवारी ने संघ के उद्देश्यो एवं क्रिया कलाप की जानकारी से सभी को अवगत कराया। संयोजक लालचन्द अग्रवाल ने संघ की गतिविधियों पर विस्तृत प्रकाशन डालते हुए वर्तमान समय मे समाज में बढ़ते नशा एवं कुरीतियों को दूर करने माता पिता को बच्चो को शाला मे जाकर पढाई कराने एवं ग्राम मे महिलाओ की टीम बनाकर परस्पर सहयोग करने हेतु प्रेरित किया। सरपंच सूरज सिंह पोर्ते ने वरिष्ठ नागरिक संघ के द्वारा किए गए इस कार्य की प्रशंसा करते हुए वस्त्र वितरण हेतु ग्राम टाकर के चयन किए जाने पर आभार प्रकट किया।कार्यक्रम में वरिष्ठ नागरिक संघ के संरक्षक हरिदास अग्रवाल, उपाध्यक्ष आर.एस. मिश्रा, पवन मित्तल, सचिव मोतीलाल गुप्ता, प्रवक्ता एस.के. तिवारी, पुखराज जैन, कोषाध्यक्ष सुशील अग्रवाल, रमेश रोहिल्ला, राजेन्द्र कुमार अग्रवाल, सुरेश अग्रवाल, चन्द्रभान गुप्ता के अतिरिक्त प्रेमनगर ब्लाक इकाई के अध्यक्ष रामलल्लु साहू, रामध्यान सिंह, जी.एल. शांडिल्य, पीलू राम सिंह, सुधन राम, श्याम सुन्दर जायसवाल, उपसरंपच देवधारी राम, विकास अग्रवाल, श्याम सुन्दर जायसवाल, रामध्यान सिंह, रामलल्लू साहू, प्राथमिक एवं माध्यमिक शाला के प्रधान पाठक एवं उनका स्टॉफ मौजूद रहा।

रासेयो कार्यशाला में शामिल हुए कॉलेज के कार्यक्रम अधिकारी

छ.ग.फ्रंटलाइन सूरजपुर। राज्य रासेयो अधिकारी डॉ. नीता बाजपेई के दिशा निर्देश और संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय अंबिकापुर रासेयो समन्वयक के मार्गदर्शन में संभाग स्तरीय एनएसएस कार्यक्रम अधिकारियों की मीटिंग अंबिकापुर सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय में स्वच्छता स्वस्थ भोजन मानसिक तनाव लैंगिक उत्पीड़न आदि से संबंधित कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यशाला में महाविद्यालय रासेयो कार्यक्रम अधिकारी धीरेंद्र कुमार जायसवाल शामिल होकर अपने कॉलेज का प्रतिनिधित्व किया। कार्यशाला में जानकारी यूनिसेफ प्रतिनिधि डॉ.अभिषेक त्रिपाठी जी के द्वारा दिया गया । जायसवाल के द्वारा अपने जिले में महाविद्यालय से लेकर स्कूल तक अपने-अपने क्षेत्र में उसका प्रचार प्रसार कर सकें और इसके माध्यम से लोगों को इस बारे में जन चेतना जागरूकता ला सके, जिससे आज के इस बदलते परिवेश में लोग स्वच्छता से मानसिक तनाव से मिलेट्स से स्वस्थ भोजन से लैंगिक उत्पीड़न से जागरूक हो सके , का पुरजोर समर्थन किया गया। कार्यक्रम में बहुत अधिक संख्या में पूरे संभाग से महाविद्यालय और विद्यालय स्तर के कार्यक्रम अधिकारी शामिल हुए।

आज जिले के चतुर्थ वर्ग कर्मचारियों की होगी बैठक

छ.ग.फ्रंटलाइन सूरजपुर। छत्तीसगढ़ लघु वेतन शासकीय चतुर्थ वर्ग कर्मचारी संघ पंजीयन 6472 के प्रांतीय सहसचिव जिला अध्यक्ष आदेश कुमार रवि ने बताया कि सूरजपुर के सभी विभागों के दैनिक, नैमेतिक, आकस्मिक, नियमित भृत्य चतुर्थ वर्ग कर्मचारियों की बैठक आज रविवार को यहां के आदर्श बालक शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में आयोजित हैं। जिसमें 7 दिसम्बर को प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव, कर्मचारियों का सदस्यता ग्रहण करना एवं कर्मचारियों की समस्या को अवगत कराते हुए प्रान्त को प्रतिवेदन दिया जायेगा। उक्त बैठक में जिले के सर्व विभागों के चतुर्थ वर्ग कर्मचारियो से शामिल होने का आग्रह किया गया है।

कलेक्टर एवं एसपी ने देर रात किया बिहारपुर क्षेत्र का निरीक्षण

बेहतर कानून व्यवस्था और अवैध धान आवक रोकने दिए निर्देश

छ.ग.फ्रंटलाइन सूरजपुर। कलेक्टर एस. जयवर्धन एवं पुलिस अधीक्षक प्रशांत ठाकुर द्वारा विगत दिवस रात्रिकाल में जिले के दूरस्थ अंचल बिहारपुर क्षेत्र का औचक दौरा किया गया। उन्होंने अन्तरराज्यीय सीमा नवाटोला बैरियर, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र तथा थाना बिहारपुर का निरीक्षण किया। इस दौरान स्वास्थ्य केन्द्र में उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं की भी समीक्षा की गई तथा मरीजों से उनकी समस्याओं और उपचार व्यवस्था के संबंध में जानकारी ली गई। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर एवं एसपी ने सीमा क्षेत्र में अवैध धान की आवक को रोकने सख्त निगरानी रखने के निर्देश दिए। साथ ही सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने पर जोर दिया। उन्होंने तहसीलदार एवं थाना प्रभारी को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान करते हुए सक्रियता बढ़ाने के लिए कहा। कलेक्टर जयवर्धन ने तैनात कर्मचारियों को आने-जाने वाले वाहनों की गहन जांच करने के निर्देश दिए, वहीं पुलिस अधीक्षक ने कानून व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने हेतु सतत गश्त और त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने की बात कही। इसके अलावा कलेक्टर ने मौके पर मौजूद कर्मचारियों से विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के प्रगति की भी जानकारी ली और आवश्यक निर्देश दिए।

अवैध धान परिवहन पर रामानुजगंज व कुसमी में की गई कार्यवाही

छ.ग.फ्रंटलाइन बलरामपुर। शासन के निर्देशानुसार खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के लिए धान खरीदी शुरू हो चुकी है। इस संबंध में कलेक्टर श्री राजेंद्र कटारा ने सभी निगरानी दलों, नोडल तथा राजस्व अधिकारियों को सख्त निर्देश दिये हैं कि धान के अवैध परिवहन एवं संग्रहण पर लगातार कार्यवाही हो तथा वास्तविक कृषकों से ही धान खरीदी की जाये। निर्देश के परिपालन में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व रामानुजगंज श्री आनंद राम नेताम के नेतृत्व में ग्राम रामचंद्रपुर में राजस्व विभाग की टीम के द्वारा उत्तरप्रदेश से आ रहे 01 पिकअप वाहन को जब्त किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार तहसील रामचन्द्रपुर अंतर्गत ग्राम रामचंद्रपुर में उत्तरप्रदेश से अवैध धान परिवहन करते हुए 01 पिकअप वाहन जिसमें 70 बोरी अवैध धान लोड था।

लर्निंग लायसेंस शिविर मे प्राप्त हुए 38 आवेदन

छ.ग.फ्रंटलाइन सूरजपुर। यहां कोतवाली थाना परिसर में नवीन अपराधिक कानून के प्रचार-प्रसार व जागरूकता को लेकर प्रदर्शनीय स्टॉल पर शनिवार को परिवहन विभाग द्वारा लर्निंग लायसेंस कैम्प का आयोजन किया गया था । जिसमें लर्निंग लायसेंस के आवेदन प्राप्त करने के साथ साथ परिवहन विभाग द्वारा स्टॉल मे आने वाले लोगों को यातायात के संकेत व नियमों से भी अवगत कराया गया। प्राप्त अंतिम जानकारी तक लर्निंग लायसेंस कैम्प में 38 लोगों द्वारा लर्निंग लायसेंस के लिए आवेदन दिया गया। जिसमें 32 आवेदकों ने स्किल टेस्ट उत्तीर्ण किया, जिन्हें शिविर स्थल में ही लर्निंग लाइसेंस प्रदाय किया गया।

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ अनुशासन एवं संस्कार का विकास आवश्यक-मनोज

सेजस नवापारा में हुआ पालक-शिक्षक बैठक

छ.ग.फ्रंटलाइन सूरजपुर। यहां के स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय नवापारा में सत्र 2025-26 के लिए कक्षा 1ली से 8वीं तक अध्ययनरत छात्रों की पालक-शिक्षक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में छात्रों की शैक्षणिक प्रगति, अनुशासन एवं समग्र विकास को लेकर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई।
बैठक को संबोधित करते हुए प्राचार्य मनोज कुमार झा ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ अनुशासन एवं संस्कार का विकास आवश्यक है, क्योंकि इन्हीं आधारों पर छात्र उज्ज्वल भविष्य का निर्माण कर सकते हैं। उन्होंने छात्रों के सर्वांगीण विकास हेतु पालकों के सहयोग एवं सक्रिय सहभागिता का विशेष आग्रह किया। प्राचार्य ने कहा कि विद्यालय एवं अभिभावक दोनों का आपसी सहयोग छात्रों की सफलता की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी है। बैठक में उपस्थित पालकों ने विद्यालय द्वारा किए जा रहे शैक्षणिक एवं सह-शैक्षणिक प्रयासों की सराहना करते हुए निरंतर सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया। उक्त बैठक में प्राचार्य मनोज कुमार झा, माध्यमिक प्रधानपाठक सुश्री नीतू गुप्ता, प्राथमिक प्राचार्य अजीत गुप्ता, तथा विद्यालय के समस्त शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय में आईक्यूएसी की बैठक, कुलपति के नेतृत्व में लिए गए कई ऐतिहासिक निर्णय

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय, सरगुजा में शनिवार को आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) की महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता कुलपति प्रो. राजेंद्र लाकपाले ने की। विश्वविद्यालय के अकादमिक, शोध एवं भौतिक विकास को सुदृढ़ करने के लिए कई महत्वपूर्ण और ऐतिहासरिक निर्णय लिए गए।
बैठक के दौरान कुलपति ने नैक साइकिल-2 ग्रेडिंग और यूजीसी 12(बी) मान्यता प्राप्त करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। उन्होंने कहा कि निर्धारित प्रपत्रों में सभी सूचनाएं तैयार कर शीघ्र ही संबंधित संस्थाओं को भेजी जाएं, ताकि विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय मान्यता प्रणाली में बेहतर स्थान मिल सके। जनजातीय गौरव वर्ष के उपलक्ष्य में कुलपति ने विश्वविद्यालय परिसर में भगवान बिरसा मुंडा शिक्षा एवं शोध केंद्र स्थापित करने हेतु भारत सरकार के लिए परियोजना प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह केंद्र जनजातीय समुदायों के अध्ययन, संस्कृति एवं विकास के लिए एक महत्वपूर्ण शोध मंच बनेगा। बैठक में भारत सरकार की एनआईआरएफ रैंकिंग में विश्वविद्यालय की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए एक समिति गठित की गई। समिति को आवश्यक डेटा तैयार कर निर्धारित समय-सीमा में पोर्टल पर प्रस्तुत करने के निर्देश प्रदान किए गए। कुलपति प्रो. लाकपाले ने सरगुजा जैसे वनांचल क्षेत्र के गरीब एवं कमजोर विद्यार्थियों के लिए विश्वविद्यालय शिक्षण परिसर में नि:शुल्क शिक्षा एवं कोचिंग सेंटर प्रारंभ करने का प्रस्ताव रखा। उन्होंने विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकों से अपील की, वे इस केंद्र में स्वयं भी नि:शुल्क कोचिंग प्रदान कर छात्रों को उच्च शिक्षा के अवसरों से जोड़ें। शोध कार्य में गुणवत्ता एवं एकरूपता सुनिश्चित करने हेतु कुलपति ने निर्देश दिया कि विश्वविद्यालय में होने वाले सभी शोध प्रबंधों के लिए एक समेकित प्रारूप तैयार किया जाए। अनुमोदन के बाद इसी प्रारूप में सभी शोधार्थी अपनी थीसिस जमा करेंगे। बैठक में विश्वविद्यालय द्वारा हाल ही में आयोजित 20वें छत्तीसगढ़ युवा वैज्ञानिक सम्मेलन की सफलता पर सभी शिक्षकों एवं प्रशासनिक अधिकारियों को प्रशस्ति पत्र एवं बैग प्रदान कर सम्मानित किया गया। कुलपति ने कहा कि भविष्य में भी ऐसे गरिमामय आयोजन निरंतर आयोजित किए जाएंगे।

धान खरीदी प्रक्रिया को तकनीकी रूप से सुदृढ़ करने कलेक्टर की उपस्थिति में प्रशिक्षण

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 अंतर्गत जिले में धान खरीदी व्यवस्था को और अधिक पारदर्शी तथा सुगठित बनाने के उद्देश्य से शनिवार को कलेक्टर की उपस्थिति में धान खरीदी से जुड़े सभी समिति प्रबंधकों, खरीदी प्रभारियों एवं कंप्यूटर ऑपरेटरों को प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में धान खरीदी की मानक संचालन प्रक्रिया के साथ सोसायटी सॉफ्टवेयर, निगरानी हेतु जारी सतर्क ऐप, भौतिक सत्यापन ऐप तथा समिति स्तर पर धान आवक को दर्ज करने के लिए गेट पास ऐप की कार्यप्रणाली का विस्तृत प्रदर्शन किया गया। किसानों को धान का टोकन जारी करने की प्रक्रिया भी प्रतिभागियों को समझाई गई।
अधिकारियों ने बताया कि इस वर्ष तकनीक आधारित प्रक्रिया जिले की धान खरीदी व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, समयबद्ध और किसान हितैषी बनाएगी। प्रशिक्षण में उपस्थित सभी जिम्मेदार कर्मचारियों को ऐप परिचालन, डेटा प्रविष्टि, सत्यापन और रियल-टाइम मॉनिटरिंग के व्यवहारिक तरीकों से अवगत कराया गया। कलेक्टर ने प्रशिक्षणार्थियों को निर्देशित किया कि धान उपार्जन केंद्रों में सभी तकनीकी प्रक्रियाओं का सटीक और समय पर पालन सुनिश्चित करें तथा किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो इसका विशेष ध्यान रखें। उन्होंने कहा कि धान खरीदी के दौरान सभी ऐप का प्रभावी उपयोग पारदर्शिता के लिए अत्यंत आवश्यक है। कलेक्टर ने सभी प्रतिभागियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान अपर कलेक्टर सुनील नायक, खाद्य अधिकारी बीएस कामटे, सीसीबी नोडल अधिकारी पीसी गुप्ता, डीएमओ अरुण विश्वकर्मा सहित अन्य उपस्थित रहे।

संपर्क करें
समाचार, ईश्तहार, विज्ञापन हेतु संपर्क करें।
दैनिक छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन
गौरव पथ, गुरूद्वारा के पास बाबूपारा अम्बिकापुर
मो. 7566950555
9713108088

सरगुजा फ्रंटलाइन

गैरेज संचालक रिंग रोड में कर रहे भारी वाहनों की मरम्मत

भारी वाहनों की घंटों पार्किंग से यातायात व्यवस्था चरमरा रही

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। पुलिस और नगर निगम के द्वारा शहर के वाह्य मार्ग, रिंग रोड में वाहनों के पार्किंग न हो, इसके लिए चेतावनी दी गई है, इसके बाद भी गैराज संचालकों की मनमानी खत्म होने का नाम नहीं ले रही है। वाहन मरम्मत के नाम पर बस, ट्रक जैसे भारी वाहन रिंग रोड में घंटों खड़े नजर आते हैं, जबकि इस मार्ग से भारी वाहनों के अलावा छोटी वाहन में सवार लोगों का आना-जाना लगे रहता है। इधर गैरेज संचालक सड़क पर ही वाहनों का मरम्मत करते नजर आते हैं, जिससे सड़क जाम जैसी स्थिति निर्मित होती है। गाहे-बगाहे पुलिस ऐसे मामलों में चालानी कार्रवाई करती जरूर है, चालक को गिरफ्तार भी किया जाता है, लेकिन ये ऐसे भारी वाहनों के चालक रहते हैं, जो कुछ देर के लिए अपनी वाहन को सड़क के किनारे किसी काम से रोकते हैं। इन पर नजर पड़ते ही पुलिस की भौंहे तन जाती है। गैरेज संचालकों की मनमानी को रोकने के लिए किसी प्रकार की पहल इनके द्वारा नहीं की गई है। हिदायतों की फेहरिस्त लम्बे समय से चली आ रही है, इसके अलावा कोई ठोस कार्रवाई हुई हो, ऐसा देखने को नहीं मिल रहा है।

बता दें कि शहर की यातायात व्यवस्था को जनसुविधा के अनुरूप करने एवं मुख्य व्यवसायिक मार्गों सहित आउटर मार्गों पर चार पाहिया वाहनों की बेतरतीब पार्किंग रोकने की पहल वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के दिशानिर्देशन में की जा रही है। प्रमुख भीतरी मार्गों में अवैध पार्किंग से शहर की यातायात व्यवस्था प्रभावित होने को ध्यान में रखते हुए पुलिस ने आम नागरिकों से अपने वाहनों की पार्किंग नगर निगम द्वारा निर्धारित पार्किंग स्थल एवं अन्य निकटतम प्राइवेट पार्किंग स्थल में ही करने आगाह कराया है। फुटपाथ पर चार पाहिया वाहन नहीं खड़ा करने की अपील की गई है। इसके पश्चात भी अवैध पार्किंग पाए जाने पर संबंधित वाहनों को लॉक करके चालानी कार्रवाई करने की चेतावनी दी गई है। इसी प्रकार में रिंग रोड पर भारी वाहनों की अवैध पार्किंग पर भी सख्ती से चालानी कार्रवाई करने चेतावनी दी गई है। देखा जाए तो रिंग रोड पर सड़क के किनारे गाड़ियों का मरम्मत करना, अवैध पार्किंग एक पुरानी समस्या है, जिस पर प्रशासन का ध्यान आकर्षित कराया जाता रहा है, लेकिन अभी तक इस पर पूरी तरह रोक नहीं लग पाई है। सड़क पर अवरोध पैदा करना यातायात नियमों का उल्लंघन है। इसके बाद भी सरगुजा सांसद के निवास मार्ग से पूरे रिंग रोड में भारी वाहनों के चक्के थमे नजर आते हैं। कई वाहन तो मरम्मत के नाम पर रिंग रोड में स्थित गैराजों में घंटों खड़े रहते हैं। अंबिकापुर-बिलासपुर मार्ग नेशनल हाइवे में कई जगहों पर दुकानों के बोर्ड को भी सड़कों पर सुशोभित कर दिया गया है। शहर के बीच से गुजरे राष्ट्रीय राजमार्ग में भी कमोबेश ऐसे हालात देखने को मिल जाएंगे। नगर पालिक निगम व पुलिस ने साझा मुहिम के तहत वाहन पार्किंग की समस्या से निजात दिलाने के लिए शहर में कई पार्किंग स्थलों का चिन्हांकन कर दिया है, वहीं ट्रकों के लिए ट्रांसपोर्ट नगर व बसों के लिए बस स्टैंड पार्किंग स्थल नियत किया गया है, लेकिन हालात में बदलाव नहीं आया है। संभवत: वाहन चालकों को पुलिस के द्वारा दी जा रही समझाइश की परवाह नहीं है, और वे कार्रवाई का इंतजार कर रहे हैं।

युवक ने फांसी लगाकर की खुदकुशी

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। गांधीनगर थाना क्षेत्र का एक युवक अज्ञात कारणों से कमरे में फांसी लगाकर खुदकुशी कर लिया।

जानकारी के अनुसार बिरेंद्र यादव पिता बिरझू यादव 25 वर्ष, गांधीनगर थाना क्षेत्र के ग्राम नर्मदापारा, बरपारा का रहने वाला था। शुक्रवार की अपरान्ह करीब 3-4 बजे वह अपने कमरे में था। कमरे से बाहर नहीं निकलने पर उसकी पत्नी दरवाजा खोलने के लिए आवाज लगाई। अंदर से कोई जवाब नहीं मिलने पर वह पड़ोसियों को इसकी जानकारी दी। पड़ोसी दरवाजे को तोडकर अंदर घुसे तो वह फांसी पर झूल रहा था। युवक को तत्काल फांसी से उतारकर मेडिकल कॉलेज अस्पताल लेकर स्वजन पहुंचे, यहां जांच के बाद चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया।

भाजपा सरकार के द्वारा जमीन राजिस्ट्री को लेकर तय नियमों का विरोध

कांग्रेस ने शहर के घड़ी चौक में मुख्यमंत्री का पुतला दहन किया

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ में जमीन राजिस्ट्री को लेकर विष्णु देव साय की भाजपा सरकार के द्वारा तय किए गए नए नियमों के विरोध में शनिवार को जिला कांग्रेस कमेटी सरगुजा ने घड़ी चौक पर मुख्यमंत्री का पुतला दहन किया। राज्य सरकार ने जमीन राजिस्ट्री को लेकर जो नई गाइडलाइन लाया है, उसके अनुसार अब किसी भी जमीन की कीमत का मूल्यांकन उसके बाजार मूल्य के हिसाब से किया जाएगा। कांग्रेस शासन में यह व्यवस्था थी कि बाजार मूल्य पर 30 प्रतिशत छूट देकर उस पर 4 प्रतिशत राजिस्ट्री शुल्क लिया जाता था। नई गाइडलाइन के अनुसार जहां राजिस्ट्री शुल्क के निर्धारण का आधार बाजार मूल्य को बनाया गया है, वहीं पंजीकरण शुल्क को 4 प्रतिशत ही रखा गया है। इससे भूमि के मूल्य में भारी वृद्धि होना तय है। दूसरी व्यवस्था यह बनाई गई है कि यदि कोई भू-खंड मुख्य मार्ग पर है तो उस भू-खंड को दो हिस्से में बांटकर उसके बाजार मूल्य का निर्धारण किया जाएगा। सड़क से लगी सामने की भूमि की कीमत पीछे की भूमि से अधिक आंकलित की जाएगी। पहले पूरे भू-खंड का एक कीमत निर्धारित होता था। इस कारण भी भूमि की कीमतों में भारी वृद्धि की संभावना है। प्रदेश की भाजपा सरकार के इस कदम के कारण आमजन के साथ ही व्यापारियों और रियल स्टेट कारोबारियों पर बड़ा आर्थिक भार पड़ना सुनिश्चित है। इसके विरोध में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर जिला कांग्रेस कमेटी सरगुजा ने घड़ी चौक पर प्रदेश सरकार के मुखिया का पुतला दहन किया।

जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष बालकृष्ण पाठक ने कहा कि छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार लोक कल्याणकारी कार्य करने के बजाय एक व्यापारी की तरह व्यवहार कर रही है। ये सरकार आम जनता को किसी भी प्रकार की राहत देने को तैयार नहीं है। सरकार ने पहले बिजली कीमतों को बढ़ाया और बिजली बिल हॉफ योजना को समाप्त किया और अब राजिस्ट्री कीमतों के भार जनता पर डाल दिया है। प्रदेश के वित्तमंत्री ओपी चौधरी पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि उनकी अदूरदर्शिता के कारण प्रदेश आर्थिक संकट में है। सरकार से आमजन को कुछ हासिल नहीं हो रहा है, उल्टे ओपी चौधरी जनता पर आर्थिक भार डाल रहे हैं। जिला कांग्रेस कमेटी ने पुतला दहन के इस कार्यक्रम के आयोजन का दायित्व युवा कांग्रेस सरगुजा को सौंपा था। युवा कांग्रेस ने जिलाध्यक्ष विकल झा के नेतृत्व में पुतला दहन के इस कार्यक्रम का संपादन किया, जिसकी सराहना कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने की। इस दौरान हेमंत सिन्हा, एपी सांडिल्य, डॉ. लालचंद यादव, दुर्गेश गुप्ता, संजीव मंदिलवार, अनूप मेहता, जमील खान, संजय सिंह, लोकेश कुमार, अमित तिवारी राजा, मदन जायसवाल, मो. अख्तर चम्मा, प्रीति सिंह, चंद्रप्रकाश सिंह, निकी खान, सोहन जायसवाल, अमित सिन्हा, सौरभ फिलिप, जीवन यादव, उत्तम राजवाड़े, निखिल विश्वकर्मा, रोशन कन्नौजिया, चंचला सांडिल्य, साधना कश्यप, सरोज मरावी, शमा परवीन सहित अन्य उपस्थित थे।

शराब पीने के लिए बेटे ने रुपये नहीं दिया, तो कीटनाशक का सेवन करके दिया जान

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। प्रेमनगर थाना क्षेत्र के ग्राम सलका का एक ग्रामीण 26 नवम्बर की शाम को शराब सेवन करके घर आया और पुन: शराब पीने के लिए बेटे से रुपये मांगने लगा। रुपये नहीं मिलने पर वह कीटनाशक का सेवन कर लिया। सूरजपुर जिला अस्पताल से रेफर करने स्वजन उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल लेकर पहुंचे, और आईसीयू खाली नहीं होने पर होली क्रॉस अस्पताल ले गए। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार श्रीराम गोड़ 58 वर्ष, ग्राम सलका थाना प्रेमनगर का रहने वाला था। वह शराब पीने का आदि था। 26 नवंबर की शाम करीब 7.30 बजे शराब सेवन करके घर आया और अपने बेटे बनकेश सिंह से और शराब पीने जाने के लिए रुपये मांगा। बेटे ने रुपये देने से मना कर दिया, इससे नाराज होकर वह कीटनाशक का सेवन कर लिया, इसके बाद आग तापने बैठ गया। कुछ देर बाद उसे उल्टी करने स्वजन ने देखा लगा और कीटनाशक का गंध आने पर उसे प्रेमनगर स्वास्थ्य केन्द्र ले गए। स्थिति गंभीर होने पर प्राथमिक चिकित्सा के बाद डॉक्टर ने उसे जिला अस्पताल सूरजपुर के लिए रेफर कर दिया। सूरजपुर जिला अस्पताल से रेफर करने पर स्वजन उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर लेकर पहुंचे थे। यहां आवश्यक जांच के बाद आपातकालीन चिकित्सा परिसर में मौजूद चिकित्सक ने उसे आईसीयू में भर्ती कराने कहा था। आईसीयू में बेड खाली नहीं होने पर स्वजन उसे होली क्रॉस अस्पताल में भर्ती कराए थे। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है। मृतक के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन के सुपुर्द कर दिया गया है।

जेई से एई प्रमोशन के कोटा को 70 प्रतिशत रखने की मांग

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत मंडल पत्रोपाधि अभियंता संघ ने पर्यटन मंत्री से की मुलाकात

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत मंडल पत्रोपाधि अभियंता संघ के प्रतिनिधिमंडल ने राज्य के पर्यटन, संस्कृति, धार्मिक नयास एवं धर्मस्व मंत्री राजेश अग्रवाल से उनके लखनपुर स्थित निवास में सौजन्य मुलाकात की, और हाल ही में जनरेशन एवं डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी में जेई से एई प्रमोशन कोटा को 70 प्रतिशत से घटाकर 40 प्रतिशत करने के निर्णय पर चर्चा करते हुए इसे पूर्ववत रखने की मांग की है। संघ के प्रांतीय उपाध्यक्ष इंजीनियर सुरजीत कुमार गुप्ता, क्षेत्रीय अध्यक्ष इंजीनियर राजेश जायसवाल एवं अन्य पदाधिकारियों ने मंत्री को बताया कि इस कोटा में कटौती से न केवल कार्यरत अनुभवी जूनियर इंजीनियरों का मनोबल प्रभावित हो रहा है, बल्कि छत्तीसगढ़ के युवा इंजीनियरों के रोजगार के अवसर भी प्रभावित हो रहे हैं। चूंकि जेई की भर्ती राज्य स्तर पर होती है, और छत्तीसगढ़ राज्य का निवासी ही जेई हेतु पात्र होते हैं, एई की भर्ती अखिल भारतीय स्तर पर होती है। ऐसे में प्रमोशन के रास्ते से स्थानीय इंजीनियरों को आगे बढ़ने का मौका मिलना जरूरी है। जब जूनियर इंजीनियर्स प्रमोट होंगे तभी जूनियर इंजीनियर के पद रिक्त होने पर छत्तीसगढ़ के बेरोजगार डिप्लोमा एवं डिग्री होल्डर इंजीनियर्स को रोजगार मिलेगा। मंत्री राजेश अग्रवाल ने इस मुद्दे को गंभीरता से लिया और तत्काल मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर प्रमोशन कोटा को पुन: 70 प्रतिशत बहाल करने का आग्रह किया है। उन्होंने आश्वासन दिया कि वे हरसंभव सहयोग करेंगे। मुलाक़ात के दौरान छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत मंडल पत्रोपाधि अभियंता संघ के तरफ से प्रांतीय उपाध्यक्ष सुरजीत कुमार गुप्ता के साथ क्षेत्रीय अध्यक्ष राजेश कुमार जयसवाल सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

स्वामी आत्मानंद कॉलेज में जनजातीय नायकों और इनके विरासत पर हुई चर्चा

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम मॉडल कॉलेज अंबिकापुर, केशवपुर में 28 नवंबर को जनजातीय नायकों, संस्कृति और परंपरा पर आधारित भव्य कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों ने मां भारती और जनजातीय नायकों के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन करके किया।

मुख्य अतिथि विधायक प्रबोध मिंज ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जनजातीय समाज की जीवनशैली और जनजातीय परंपराओं की विशिष्टताओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने विभिन्न जनजातीय नायकों के योगदान के बारे में विस्तार से बताया। विशिष्ट अतिथि महापौर मंजूषा भगत ने सरगुजिया बोली में अपनी बात रखी। उन्होंने जनजातीय समाज की बोली और संस्कृति को बचाए रखने और उसके संरक्षण के महत्व पर ज़ोर दिया। मुख्य वक्ता इंदर भगत, प्रदेश प्रवक्ता राज्य जनजातीय गौरव युवा समाज ने स्वतंत्रता संग्राम में जनजातीय समाज के नायकों की भूमिका को विस्तार से बताते हुए सभी को प्रेरित किया। कार्यक्रम में रविन्द्र स्वर्णकार, पूर्णाहुति भगत, श्रीराम भगत, यदुवंश केरकेट्टा, हिमांशु भगत, मनोज पासवान उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कॉलेज के प्राचार्य डॉ. रिज़वान उल्ला ने की। इस दौरान छात्र-छात्राओं द्वारा जनजातीय नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम में टीम उमंग का करमा नृत्य, कोमारम भीम आधारित नृत्य-नाटक, रंगोली, कॉस्ट्यूम प्रतियोगिता, पोस्टर, हैंडीक्राफ्ट प्रदर्शनी तथा जनजातीय व्यंजनों का फूड स्टॉल प्रमुख आकर्षण लिए रहा। कार्यक्रम को सफल बनाने में संयोजक मधुलिका कुजूर और सह संयोजक अजय सिंह शाक्य की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी स्टाफ, क्षेत्र के गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक- मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व आफसेट पुराना पोस्ट ऑफीस रोड दर्रीपारा अम्बिकापुर पिन नं. 497001 (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-रणविजय सिंह तोमर